

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उतरांचल, उतराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण शुक्रवार 04 अप्रैल 2025 वर्ष-8, अंक-44 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com

www.facebook.com/krantisamay1

www.twitter.com/krantisamay1

सांसद अनुराग ठाकुर पर आगबबूला मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा, मैं झुकूंगा नहीं



नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने गुरुवार को राज्यसभा में पुष्पा फिल्म का डायलॉग बोलकर कहा कि वे झुकने वाले नहीं हैं। दरअसल, खरगे वक्फ संशोधन बिल पर चर्चा के दौरान बुधवार को भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर द्वारा लगाए गए आरोपों पर पलटवार कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भाजपा सांसद ठाकुर ने उन पर जो बेवैनियद आरोप लगाए हैं, अगर वे आरोप सही साबित होते हैं, तब वह खुद इस्तीफा दे देंगे। खरगे ने कहा, 'अनुराग ने कल दूसरे सदन (लोकसभा) में मुझ पर जो आरोप लगाए, उनसे मेरी प्रतिक्रिया को नुकसान हुआ है।' उन्होंने कहा कि वह भाजपा के इसतरह के हथकंडों के आगे नहीं झुकने वाले हैं। खरगे ने कहा, 'अगर भाजपा के लोग मुझे डराकर झुकाना चाहते हैं, तब मैं कभी नहीं झुकूंगा। मैं टूट जाऊंगा लेकिन झुकूंगा नहीं। बता दें कि वक्फ बिल पर चर्चा के दौरान भाजपा सांसद ठाकुर ने आरोप लगाया था कि खरगे ने वक्फ की जमीन हड़पनी है। इस बयान पर खरगे अपनी नाराजगी जाहिर कर रहे थे। कांग्रेस अध्यक्ष ने बयान के लिए भाजपा सांसद से माफी मांगने की भी मांग की है। उन्होंने कहा, मेरा जीवन हमेशा एक खुली किताब की तरह रहा है। यह संघर्षों और लड़ाइयों से भरा रहा है। मैंने हमेशा सार्वजनिक जीवन में सर्वोच्च मूल्यों को बरकरार रखा है। राजनीति में करीब 60 साल बिताने के बाद, मैं ऐसी उम्मीद नहीं कर सकता हूँ। कल, अनुराग ठाकुर ने लोकसभा में मुझ पर पूरी तरह से झूठे और निराधार आरोप लगाए।

वित्त वर्ष 26-27 में 6.7 प्रतिशत की दर से बढ़ सकती है भारतीय अर्थव्यवस्था

नई दिल्ली। भारतीय अर्थव्यवस्था वित्त वर्ष 26 में 6.7 प्रतिशत की दर से बढ़ सकती है। इसकी वजह चर्चीत रिक्टरवी और मार्केट का मजबूत प्रदर्शन करना है। यह जानकारी गुरुवार को जारी हुई एक रिपोर्ट में दी गई। चर्चीत रिक्टरवी का मतलब उस चरण से है, जहां अर्थव्यवस्था धीमेपन से उभरती है और इस दौरान आर्थिक गतिविधि, कंज्यूमर खर्च और बिजनेस निवेश में बढ़त देखी जाती है। लाइट हाउस के टैन की रिपोर्ट के अनुसार, पिछले पांच वर्षों में भारत में मजबूत आय वृद्धि देखी गई है और इस दौरान निपटी डेडवैक्स ने 20 प्रतिशत की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) दर्ज की है। जैसे-जैसे अर्थव्यवस्था आगे बढ़ेगी, विकास का अगला चरण कारकीर्मी की गतिव्य, मध्यम वर्ग को टैक्स में दी गई छूट और बेहतर उपभोक्ता मांग जैसे प्रमुख कारकों पर निर्भर करेगा। रिपोर्ट में कहा गया कि इन कारकों से 2025 में आय में सुधार और बाजार को समर्थन मिलने की उम्मीद है। रिपोर्ट के मुताबिक, भारत के निवेश-आधारित विस्तार ने आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। वहीं, सरकार राजकोषीय अनुशासन पर ध्यान केंद्रित करना जारी रखे हुए है, जिससे निजी क्षेत्र के निवेश में तेजी आने की उम्मीद है।

पीएम मोदी की वजह से ही हमें सौभाग्यशाली दिन देखने को मिला : कंगना रनौत

नई दिल्ली। सांसद कंगना रनौत ने आज संसद के बाहर संवाददाताओं से कहा कि वक्फ संशोधन विधेयक के जरिए भ्रष्टाचार को खत्म किया जा रहा, जो हमारे देश को दीमक की तरह खा रहा है। पीएम मोदी की वजह से ही हमें सौभाग्यशाली दिन देखने को मिला है। इस बिल के जरिए सीधा संदेश यही दिया गया है कि कोई भी व्यक्ति, संस्था या धार्मिक संगठन कानून से ऊपर नहीं है। हिमाचल प्रदेश के मंडी से सांसद रनौत ने प्रस्तावित कानून की सराहना की और कहा कि बिल का उद्देश्य भारत में वक्फ संपत्तियों के प्रबंधन और प्रशासन में सुधार करना है।

40 हजार कश्मीरी पंडितों को उनकी जमीन वापस नहीं मिली, सरकार को उनकी चिंता करनी चाहिए: संजय राउत

नई दिल्ली। उद्धव ठाकरे की शिवसेना के राज्यसभा संसद संजय राउत ने कहा कि वक्फ बिल ध्यान भटकाने की कोशिश है। कल ही डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर 26 प्रतिशत टैरिफ लगाया है। इस पर चर्चा होनी चाहिए थी। लेकिन इस मुद्दे को गौण कर दिया गया। और सारा मुद्दा हिंदू-मुसलमान पर हो गया। संजय राउत ने आगे कहा कि जब भी बेरोजगारी, महंगाई का मुद्दा आता है तो धार्मिक मुद्दा उठता है और 2-3-5 दिन आप चर्चा करते हो। सत्ता पक्ष पर सवाल उठाते हुए उन्होंने सवाल उठाया कि आपको मुस्लिमों की चिंता कब से होनी लगी। आप लोग मुसलमानों को चोर बोलते हो, बोलते हो कि मुस्लिम आपकी जमीन छीन लेंगे, गले की घेन छीन लेंगे। गाय-बैल खोल लेंगे। मुसलमान देशद्रोही हैं, टैरेरिस्ट हैं। आप लोग मुसलमानों को संपत्ति के रखवाले बने हो। संजय राउत की भाषण के दौरान नारेबाजी होने पर उन्होंने कहा मुझे मत सिखाइए। मैं बहुत पढ़े-लिखकर आया हूँ यहाँ। मैंने हिन्दुत्व भी खूब पढ़ा है। संजय राउत ने आगे कहा कि 2025 के पहले की मस्जिद-मदरसों को हाथ नहीं लगाने की बात कही जा रही है। लेकिन आप (केंद्र सरकार) जमीन खरीदने-बेचने की बात पर आ गए हैं। ये आप करके ही रखेंगे। अयोध्या में 13 हजार एकड़ जमीन का घोटाला हुआ। केदारनाथ में 300 किलो सोना गायब हो गया। आप अपनी जमीनों की रक्षा नहीं कर पा रहे, मुस्लिमों की जमीन की रक्षा की बात करते हो। संजय राउत ने आगे कहा कि डिफेंस की जमीनों की रक्षा आप नहीं कर पा रहे हो। आपको अगर जमीनों की चिंता है तो कश्मीर के हमारे पंडित भाई हैं, 40 हजार कश्मीरी पंडितों को उनकी जमीन वापस नहीं मिली।

वक्फ संशोधन विधेयक: रिजिजू ने किया राज्यसभा में पेश, विपक्ष का कड़ा विरोध

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरें रिजिजू ने गुरुवार को राज्यसभा में वक्फ संशोधन विधेयक पेश कर दिया। लोकसभा में 12 घंटे से अधिक लंबी बहस के बाद पारित हुए इस विधेयक पर अब राज्यसभा की मुहर लगनी बाकी है। केंद्र सरकार को उम्मीद है कि यह विधेयक आसानी से पास हो जाएगा, जबकि विपक्ष ने इसे रोकने के लिए पूरी ताकत झोकने का ऐलान किया है।

विधेयक पेश करते हुए किरें रिजिजू ने बताया कि देश में 8.72 लाख वक्फ संपत्तियां हैं, जिनकी आय अरबों रुपये में होने का अनुमान है। उन्होंने कहा कि 2006 में संवर्धन समिति ने 4.9 लाख वक्फ संपत्तियों की आय 12,000 करोड़ रुपये आंकी थी, जिससे आज की आय का अंदाजा लगाया जा सकता है। रिजिजू ने कहा कि राज्य सरकारों, अल्पसंख्यक आयोगों और वक्फ

बोर्डों से बातचीत के बाद ही यह विधेयक लाया गया है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के माध्यम से विधेयक पर व्यापक चर्चा हुई थी। रिजिजू ने विपक्ष से इस विधेयक का समर्थन करने की अपील करते हुए कहा कि यह किसी एक वर्ग के खिलाफ नहीं है, बल्कि शिया और सुन्नी समेत सभी मुस्लिम समुदायों को एकजुट करने वाला कदम है।

जोटरद हंगामों के बीच विपक्ष का विरोध

विपक्षी दलों ने इस विधेयक को मुस्लिम विरोधी बताते हुए संसद में जोरदार हंगामा किया। उनका कहना है कि सरकार वक्फ संपत्तियों को नियंत्रित करने और अल्पसंख्यक समुदाय के अधिकारों को कमजोर करने की कोशिश कर रही है। लोकसभा में विपक्ष ने इस विधेयक का पुरजोर विरोध किया था, लेकिन सरकार ने बहुमत के दम

पर इसे पारित करा लिया।

रिजिजू का जवाब

विपक्ष के आरोपों का जवाब देते हुए किरें रिजिजू ने कहा, यह कहना गलत है कि हिंदुस्तान में अल्पसंख्यक सुरक्षित नहीं हैं। मैं खुद अल्पसंख्यक हूँ और कह सकता हूँ कि भारत में ज्यादा अल्पसंख्यक नहीं सुरक्षित नहीं हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार हर अल्पसंख्यक समुदाय, यहाँ तक कि छोटे पारसी समुदाय की भी रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। राज्यसभा में यदि यह विधेयक पारित हो जाता है, तो यह कानून का रूप ले लेगा और वक्फ संपत्तियों के प्रबंधन में महत्वपूर्ण बदलाव लाएगा। हालांकि, विपक्ष का विरोध जारी है और आने वाले दिनों में इस पर और राजनीतिक सरगमियां देखने को मिल सकती हैं।



बैंकों में पीएम का हुआ जोरदार स्वागत, प्रवासियों ने लगाए मोदी मोदी के नारे

पीएम मोदी बोले- भारत और थाईलैंड के बंधन को मजबूत करने उत्सुक हूँ

बैंकों (एजेंसी)। पीएम नरेंद्र मोदी गुरुवार को बैंकोंक पहुंच गए। उनका भारतीय प्रवासियों ने मोदी मोदी के नारे लगाता स्वागत किया। थाईलैंड के उप-प्रधानमंत्री सुरिया जुंगरंगरेणिकट समेत कई अधिकारियों ने एयरपोर्ट पर मोदी का स्वागत किया।

पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा कि मैं बैंकोंक, थाईलैंड में उतरा। आगामी आधिकारिक कार्यक्रम में भाग लेने, मैं भारत और थाईलैंड के बीच सहयोग के बंधन को मजबूत करने के लिए उत्सुक हूँ।

पीएम मोदी 6वें बिस्मटेक शिखर सम्मेलन में भाग लेने थाईलैंड पहुंचे हैं। वह 4 अप्रैल यानी शुक्रवार को क्षेत्रीय नेताओं के साथ सहयोग के प्रमुख क्षेत्रों पर चर्चा करेंगे। पीएम मोदी भारत-थाईलैंड संबंधों को मजबूत करने के लिए नैतृत्व के साथ द्विपक्षीय वार्ता भी करेंगे।

बैंकोंक में आगमन के बाद, पीएम मोदी



भारतीय प्रवासियों के साथ मुलाकात कर बातचीत करेंगे, जिसमें वह भारत और थाईलैंड के बीच गहरे सांस्कृतिक, आर्थिक

निमंत्रण पर मैं आज थाईलैंड की आधिकारिक यात्रा और 6वें बिस्मटेक शिखर सम्मेलन में भाग लेने रवाना हो रहा हूँ। उन्होंने कहा कि पिछले दशक में बिस्मटेक बंगाल की खाड़ी क्षेत्र में क्षेत्रीय विकास, संपर्क, आर्थिक प्रगति को बढ़ावा देने के लिए एक अहम मंच के रूप में उभरा है। अपनी भौगोलिक स्थिति के कारण, भारत का पूर्वोत्तर क्षेत्र बिस्मटेक के केंद्र में है।

बाता दें बिस्मटेक एक क्षेत्रीय समूह है जिसमें बंगाल की खाड़ी क्षेत्र के सात सदस्य देश शामिल हैं। दक्षिण एशिया से पांच देश बांग्लादेश, भूटान, भारत, नेपाल और श्रीलंका और दक्षिण पूर्व एशिया से दो म्यांमार और थाईलैंड शामिल हैं। यह समूह दक्षिण एशिया और दक्षिण पूर्व एशिया के बीच एक पुल के रूप में कार्य करता है। भारत इसका सबसे बड़ा और सबसे प्रभावशाली सदस्य है, जो इसके एजेंडे को आकार देता है और कई क्षेत्रों में सहयोग को बढ़ावा देता है।

संबंधों को रेखांकित करेंगे। इससे पहले अपने प्रस्थान चक्रव्य में पीएम मोदी ने कहा कि थाई पीएम पैतंगतान शिनवात्रा के

राहुल गांधी का मोदी सरकार पर आरोप, चीन हमारी जमीन पर कब्जा करके बैठा

लद्दाख के उपराज्यपाल का दावा, एक इंच जमीन पर भी कब्जा नहीं

नई दिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने गुरुवार को भारत-चीन के राजनयिक संबंधों की 75वीं सालगिरह के जश्न को लेकर मोदी सरकार की घेराबंदी की। उन्होंने कहा कि चीन हमारे 4 हजार वर्ग किमी इलाके पर कब्जा करके बैठा है, लेकिन मुझे देखकर आश्चर्य हुआ कि हमारे विदेश सचिव (विक्रम मिश्री) चीनी राजदूत के साथ कैक काट रहे थे। गुरुवार को लोकसभा में शून्यकाल के दौरान राहुल गांधी ने कहा कि हम सामान्य स्थिति के खिलाफ नहीं हैं, लेकिन उससे पहले हमें अपनी जमीन वापस मिलनी चाहिए।

मुझे पता चला कि राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री ने चीनी राजदूत को चिढ़ी लिखी है। चीनी राजदूत भारत के लोगों को बता रहे हैं कि उन्हें चिढ़ी लिखी गई। मोदी सरकार की विदेश नीति पर राहुल गांधी ने कहा कि एक ओर आपने चीन को हमारी जमीन दे दी और दूसरी ओर अमेरिका ने हम पर टैरिफ (जैसे को तैसा टैक्स) लगा दिया। इस टैक्स से देश की ऑटो इंडस्ट्री, फर्मास्यूटिकल्स और एग्रीकल्चर को पूरी तरह से तबाह होगी। राहुल गांधी ने कहा कि एक बार किसी ने इंदिरा गांधी से पूछा कि विदेश नीति के मामले में आप बाएं झुकते हैं या दाएं। इस पर उन्होंने जवाब दिया कि मैं बाएं या दाएं नहीं झुकती। मैं भारतीय हूँ और सीधी खड़ी हूँ। भाजपा और आरएसएस की इस मामले में सोच अलग है। जब पूछा जाता है, तब वे कहते हैं नहीं, नहीं, हम हर विदेशी के सामने अपना सिर झुकाते हैं। यह उनके इतिहास में है, हम जानते हैं। सरकार को जवाब देना चाहिए कि वह अमेरिका की टैरिफपर क्या कर रही है। वही लद्दाख के एलजी ने राहुल गांधी के दावे को गलत बताया था राहुल गांधी ने 2022 में लद्दाख दौरे पर कारगरिम में रेती की थी। वहां उन्होंने दावा किया था कि चीन ने भारत की हजारों किमी जमीन पर कब्जा किया है। इस पर लद्दाख के उपराज्यपाल (एलजी) बिग्रेडियर (रिटायर्ड) बीडी मिश्रा ने कहा था कि चीन ने भारत की एक वर्ग इंच जमीन पर भी कब्जा नहीं किया है। उन्होंने कहा था कि 1962 (भारत-चीन युद्ध) में जो कुछ भी हुआ, उस पर बात करने से कोई फायदा नहीं। आज सीमा की आखिरी इंच जमीन भी हमारे कब्जे में है।



रक्षा मंत्री ने माउंट एवरेस्ट और माउंट कंचनजंघा के लिए अभियान को हरी झंडी दिखाई

-अभियानों को सशस्त्र बलों की अदम्य भावना को प्रदर्शित करने के लिए डिजाइन किया गया

नई दिल्ली (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को नई दिल्ली के साउथ ब्लॉक से माउंट एवरेस्ट और माउंट कंचनजंघा के लिए अभियान को हरी झंडी दिखाई। इस अभियान में भारतीय सेना के 24 पर्वतारोही 10 एनसीसी कैडेट्स के साथ माउंट एवरेस्ट पर चढ़ाई करेंगे। इसी तरह भारतीय सेना और नेपाली सेना की संयुक्त टीम माउंट कंचनजंघा की चढ़ाई के लिए रवाना हुई है।

भारतीय सेना के माउंट एवरेस्ट अभियान में 10 एनसीसी कैडेट्स समेत 34 पर्वतारोही शामिल हैं, जो लेफ्टिनेंट कर्नल मनोज गोशरी के नेतृत्व में पाठपरिक साउथ कोल रूट का अनुसर्जन करेंगे। इस टीम में माउंट एवरेस्ट (8,848 मीटर) पर चढ़ाई करके तिरंगा फहराएंगे। इसी तरह संयुक्त भारत-नेपाल अभियान का उद्देश्य माउंट कंचनजंघा पर चढ़ना है, जिसमें भारतीय सेना के 12 पर्वतारोही और नेपाली सेना के छह पर्वतारोही शामिल होंगे। माउंट कंचनजंघा (8,586 मीटर) के लिए टीम का नेतृत्व भारतीय सेना के कर्नल सरफराज सिंह करेंगे।

माउंट एवरेस्ट पर संयुक्त एनसीसी अभियान का नेतृत्व कर्नल अमित बिष्ट करेंगे। इस दल में पांच छात्राएं, पांच छात्र कैडेट्स, चार अधिकारी और 11 स्थायी प्रशिक्षक शामिल होंगे। इस महीने शुरू होने वाले इस अभियान का लक्ष्य मई तक अपने-अपने शिखरों पर पहुंचना है। रक्षा मंत्री ने पर्वतारोहियों से



बातचीत के दौरान उनके साहस, समर्पण और दृढ़ संकल्प को सराहा। उन्होंने विश्वास जताया कि इस अभियान में शामिल युवा अन्य युवाओं को प्रेरित करने के साथ ही उच्च ऊंचाई वाले पर्वतारोहण में भारत का नेतृत्व करेंगे।

इन अभियानों को सशस्त्र बलों के असाधारण कौशल और अदम्य भावना को प्रदर्शित करने के लिए डिजाइन किया गया है। साथ ही उच्च ऊंचाई वाले पर्वतारोहण के क्षेत्र में नए मानक स्थापित किए गए हैं।

इनसे भावी पीढ़ियों को साहस, दृढ़ संकल्प और उत्कृष्टता की भावना के साथ अपने सपनों को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित करने की उम्मीद है। भारतीय सेना के इस कार्यक्रम में चीफ ऑफ डिफेंस स्टफ जनरल अनिल चौहान, थल सेनाध्यक्ष जनरल उषेंद्र द्विवेदी, भारत में नेपाल के राजदूत डॉ. शंकर पी शर्मा, नेपाल का एक प्रतिनिधिमंडल और अन्य वरिष्ठ नागरिक और सैन्य अधिकारी शामिल हुए।

ज्यादा आयात करता है। चीन, जापान और दक्षिण कोरिया ने हाथ मिलाया- चीन, जापान और दक्षिण कोरिया ने फ्री ट्रेड एग्रीमेंट की बड़ी तैयारियां शुरू कर दी हैं। ये तीनों देश ट्रम्प के 3 अप्रैल से लागू होने वाले 25% ऑटो टैरिफ से मुख्य रूप से प्रभावित होने वाले हैं। लेकिन इस मौके का फायदा उठाकर भारत को व्यापार संतुलन बनाने और कूटनीति को अपनी दिशा में आगे बढ़ाने का बहुत सुनहरा मौका मिल चुका है। चीन भारत को अमेरिका से दूर करना चाहता है। लेकिन चीन की इस चाल को भारत अच्छी तरह से समझता है। अमेरिका से एग्रीमेंट रिश्ते मजबूत करते हुए भारत ने चीन से सतर्क दूरी बनाई हुई है।

चीन-भारत साझेदारी का सही समय, ट्रंप के टैरिफ के बाद जिनपिंग ने पीएम मोदी को भेजा लेटर



नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका की तरफ से जुहांनियामर के देशों पर टैरिफ का ऐलान किया गया है। इसका असर भारत, चीन समेत कई यूरोपीय देशों पर सीधा पड़ेगा। वहीं अब ट्रंप के इस कदम के बाद बारी उनके कट्टर दुश्मन शी जिनपिंग की थी। चीन ने एक बड़ा दांव खेला है। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने कहा है कि ये चीन और भारत दोनों के साझेदार बनने का सही समय है। शी जिनपिंग ने कहा है कि दोनों देशों को अपनी दोस्ती को और मजबूत करना चाहिए। चीन के राष्ट्रपति ने कहा है कि दोनों पड़ोसी देशों के बीच सहयोग को बहुत बड़ी क्षमता है। सवाल है कि चीन का इरादा क्या है और इस बाबत भारत को क्या रख अपनाया चाहिए?

चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने भारत को पत्र लिखा है। चीन की तरफ से भारत को कूटनीतिक संबंध के 75 वर्ष होने पर पत्र लिखा गया है। कई बार ये कहा जाता है कि चीन की कथनी और करनी में अंतर होता है। चीन की बातें मत सुनो चीन जमीन पर क्या कर रहा है, उस पर ध्यान देने की आवश्यकता है। दरअसल, भारत डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ से निपटने के लिए एक के बाद एक कई कूटनीतिक कदम उठा रहा है। दूसरी तरफ चीन चाइनी में भरे शब्दों का इस्तेमाल कर भारत को अपनी ओर खींचने की कोशिश कर रहा है। लेकिन आपको याद रहे कि भारत ने ये साफ कर दिया है कि जब तक सीमाएं शांत नहीं होती, तब तक ये रिश्ता

आगे नहीं बढ़ सकता। भारत अमेरिका और चीन के बीच तनाव में कोई जल्दबाजी बिल्कुल नहीं दिखा रहा है। भारत वेट एंड वॉच की नीति अपना रहा है। भारत जापान, ऑस्ट्रेलिया, यूरोपीय देशों के साथ रिश्तों को और मजबूत कर रहा है। चीन पर निर्भरता को कम कर अपनी आत्मनिर्भरता को और बढ़ा रहा है। सलाह दें चैन मैनजमेंट में भारत एक बहुत बड़ी शक्ति के रूप में उभरने की दिशा में कदम बढ़ा चुका है। चीन भारत व्यापार अब तक चीन के ही पक्ष में रहा है। चीन के राजदूत झू फियिंग ने कहा है कि व्यापार असंतुलन को ठीक करने के लिए भारत से ज्यादा प्रोडक्ट्स आयात करेंगे। बता दें कि अभी भारत चीन से

12 घंटे की लंबी मैराथन बहस के बाद, वक्फ संशोधन बिल 2025 लोकसभा में पारित



क्रिशन सनमुखदास भवनानी

अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि वक्फ संशोधन बिल 2025 की लड़ाई, अंजाम तक आई- लोकसभा में अर्ली मॉर्निंग 288/232 से बिल पारित - 3 अप्रैल को राज्यसभा से भी पारित होगा। 12 घंटे की लंबी मैराथन बहस के बाद, वक्फ संशोधन बिल 2025 लोकसभा में पारित। लोकसभा में लगातार 12 घंटे की बहस सुनने से लेकर अर्ली मॉर्निंग 4 बजे यह रिपोर्ट बनाना मेरे लिए रोमांचित अनुभव रहा।

विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत के लोकतंत्र के मंदिर रूपी संसद व उच्च सदन राज्यसभा में किसी महत्वपूर्ण विधेयक पर बहस कर उसमें संशोधन से लेकर वोटिंग तक पर पूरी प्रक्रिया को भारत सहित पूरे विश्व में ध्यान से देखा व सुना है, जिसमें महिला आरक्षण विधेयक बिल, जीएसटी बिल, आर्टिकल 370 बिल सहित अनेकों बिलों को हमने लोकसभा के दोनों सदनों से पास होते हमने देखा है। आज यह चर्चा हम इसलिए कर रहे हैं क्योंकि आज अर्ली मॉर्निंग करीब 4 बजे तक मैंने करीब 16 घंटे लगातार वक्फ (संशोधन) बिल 2025 की पूरी बहस, वोटिंग प्रक्रिया व अमेडमेंट पर वोटिंग प्रक्रिया पर पर मैं नजर रखी। मैंने लगातार 16 घंटे संचार माध्यमों से जुड़ा रहा, क्योंकि ऐसे विषय पर लाइव देखकर रिपोर्टिंग बनाना मेरी रुचि रही है। मैंने देखा कि विपक्ष व पक्ष के सदस्यों ने धुवीकरण बोलने पर विशेष ध्यान दिया विपक्ष के नेताओं ने धुवीकरण पर आरोप प्रत्यारोप लग रहे थे बहस के दौरान मैंने एक बात देखी कि एक सदस्य वाली पार्टी को भी बोलने का अधिकार दिया गया था, जिसमें चंद्रशेखर, पप्पू यादव, असदुद्दीन ओवैसी भी शामिल थे। ओवैसी साहब ने बिल को फाड़ने की बात तो की, लेकिन बिल को फाड़ नहीं पाए बल्कि दो भागों को स्टेपर की पिन खेलकर अलग किया। बहस पूरी हो जाने के बाद जेपीसी अध्यक्ष ने उसका जवाब दिया, फिर अंत में अल्पसंख्यक विभाग के मंत्री ने बहस का जवाब दिया। मैंने महसूस किया कि पक्ष और विपक्ष दोनों ही पूरी तैयारी के साथ बहस में शामिल होने, बहस की प्रक्रिया हो जाने के बाद माननीय सदस्यों द्वारा 100 से अधिक संशोधनों जो दर्ज कराए गए थे, उसमें तीन संशोधन की वोटिंग मशीन से वोटिंग हुई व बाकी 100 से अधिक संशोधनों को ध्वनि मत से जिसमें करीब-करीब विपक्ष के सभी संशोधन खारिज कर दिए गए। विशेष बात यह रही कि मैं पिछले 10-12 सालों में मैंने रात्रि 2-3 बजे तक संसद चलने और विधेयक पारित होने की प्रक्रिया नहीं देखी थी। वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2025 रात 1.56 बजे लोकसभा में पारित हुआ। विधेयक पर 1 घंटे 50 मिनट तक वोटिंग चली। विधेयक के समर्थन में 288 वोट पड़े, जबकि विरोध में 232 वोट पड़े। अनेक संशोधन में एक संशोधन पर इलेक्ट्रॉनिक पद्धति से मतदान के बाद कुल 464 वोट दर्ज किए गए। विधेयक के पक्ष में 273 और विरोध में 191 मत पड़े। शुद्धि के बाद स्पीकर ओम बिरला आधिकारिक आंकड़ों का प्लान करेंगे। लोकसभा संसद सदस्यों द्वारा दिए गए संशोधन में सबसे महत्वपूर्ण संशोधन बोर्ड में शामिल होने वाले 11 गैरमुस्लिम सदस्यों वाला संशोधन 288 के मुकाबले 231 मतों से गिर गया, यानि अब गैरमुस्लिम सदस्य बोर्ड में शामिल होंगे वक्फ (संशोधन) बिल 2025 आज ही उच्चसदन यानि राज्यसभा में पेश होगा उम्मीद है बहस के बाद इस सदन में भी वक्फ (संशोधन) बिल 2025 पारित हो जाएगा ऐसा मेरा मानना है। चूंकि संसद में 12 घंटे की लंबी मैराथन बहस के बाद वक्फ संशोधन बिल 2025 लोकसभा से पारित हो गया है,



इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से संसद आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, वक्फ संशोधन बिल 2025 की लड़ाई, अंजाम तक आई। लोकसभा में अर्ली मॉर्निंग 232 के मुकाबले 288 मतों से यह बिल पारित किया गया तथा आज 3 अप्रैल को ही राज्यसभा सदन में भी पारित कर दिया जाएगा ऐसी संभावना है। साथियों बात अगर हम वक्फ बिल पर लोकसभा में बहस के के बाद जेपीसी के अध्यक्ष द्वारा जवाब देने की करें तो उन्होंने कहा यदि बीजेपी चाहती तो इस विधेयक को सीधे संसद में पास करा सकती थी, लेकिन सरकार ने इसे जेपीसी को भेजने का फैसला किया ताकि अन्य दलों के साथ विस्तृत चर्चा हो सके। उन्होंने कहा कि यह सरकार की लोकतांत्रिक प्रतिबद्धता को दिखाता है कि उसने बिना किसी जल्दबाजी के इस विषय पर व्यापक विमर्श किया। उन्होंने असदुद्दीन ओवैसी द्वारा वक्फ (संशोधन) विधेयक 2024 को फाड़ने की बात को असंवैधानिक करार दिया है। उन्होंने कहा कि ओवैसी इस बिल को असंवैधानिक बता रहे हैं, लेकिन असली असंवैधानिक हरकत तो उन्होंने खुद की है। पाल ने लोकसभा में कहा कि संसद में इस तरह से विधेयक को फाड़ना लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं का अपमान है और यह संसदीय मर्यादाओं के खिलाफ है। साथियों बात अगर हम 2 अप्रैल 2025 को हुए बिल पर चर्चा का जवाब रात्रि 12 बजे अल्पसंख्यक विभाग के मंत्री द्वारा जवाब देने की करें तो उन्होंने कहा, सरकार ने बुधवार को लोकसभा में वक्फ संशोधन विधेयक पेश किया। इसपर आधी रात तक लगभग 12 घंटे तक चर्चा हुई। अब सदन में वोटिंग हो रही है। पक्ष ने जहां बिल का समर्थन किया तो विपक्ष ने जोरदार हमला बोलते हुए इसे मुस्लिमों को हाशिए पर धकेलने वाला बताया। बिल पेश करते हुए केंद्रीय मंत्री किरन रिजिजू ने कहा कि पूर्ववर्ती यूपीए सरकार ने वक्फ कानून में बदलावों के जरिए इसे अन्य कानूनों से ऊपर कर दिया था, इसलिए इसमें नए संशोधनों की जरूरत पड़ी। गौरतलब है कि लोकसभा में संख्याबल के हिसाब से

एनडीए की स्थिति मजबूत है, जिसके पास 294 सांसद हैं, जबकि बिल पास करने के लिए 272 वोटों की जरूरत है। साथियों बातें कर हम विधेयक का विरोध करने की करें तो, एआईएमएआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने वक्फ बिल पर बहस के दौरान कहा, इस बिल का असली मकसद मुसलमानों को जलील करना है। सरकार हमारे वक्फ की संपत्तियों पर कब्जा जमाना चाहती है और हमारे धार्मिक अधिकार छीनना चाहती है। अपनी नाराजगी जाहिर करते हुए उन्होंने सदन में कहा कि मैं इस बिल को फाड़ता हूँ। उन्होंने इसे अल्पसंख्यकों के धार्मिक अधिकारों पर सीधा हमला बताया और कहा कि यह संविधान के अनुच्छेद 25 और 26 का उल्लंघन करता है। संसद में मदन मोहन मालवीय वक्फ संशोधन बिल पेश किए जाने पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए जमीयत उलमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना महमूद असद मदन ने कहा कि संसद में पेश किया गया वक्फ से संबंधित यह बिल असंवैधानिक है और मूल अधिकारों का उल्लंघन करता है। सरकार अपनी संख्यात्मक बहुमत के बल पर इसे पारित कराने की कोशिश कर रही है। यह रवैया बहु संख्यकवादी मानसिकता पर आधारित है और लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ है। इस बिल को जबरन संसद में लाया गया है, जिसका उद्देश्य अल्पसंख्यकों के अधिकारों को छीनना है, जो किसी भी हाल में स्वीकार्य नहीं है। जिस तरह से यह बिल तैयार किया गया है और जिस संस्था व रवैये के साथ इसे पेश किया जा रहा है, वह मुसलमानों के खिलाफ एक नकारात्मक रुख को दर्शाता है। उन्होंने कहा, हम पहले ही कह चुके हैं कि पुराने कानून में सुधार की जरूरत थी, लेकिन इसके बजाय सरकार ने ऐसे संशोधन पेश किए हैं, जो समस्याओं का समाधान करने के बजाय उन्हें और जटिल बना रहे हैं। अल्पसंख्यक समुदाय के सदस्य के रूप में, मैं स्पष्ट रूप से कहना चाहता हूँ कि यह बिल पूरी तरह अस्वीकार्य है और हम इसे पूरी तरह खारिज करते हैं। इसके खिलाफ हमारी लड़ाई जारी रहेगी और हम हर संवैधानिक और शान्तिपूर्ण तरीके से इस अन्याय के खिलाफ

अपनी आवाज उठाते रहेंगे। साथियों बात अगर हम सत्ताधारी पार्टी द्वारा विधेयक के समर्थन की करें तो, वक्फ बिल पर चर्चा में भाग लेते हुए भाजपा के रवि शंकर प्रसाद ने कहा कि वक्फ विधेयक के जरिए बोर्ड में पिछड़े मुसलमानों को जगह दी जा रही है तो इसमें किसी को आपत्ति नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर वक्फ की जमीन लूटी जा रही है तो संविधान अधिकार देता है कि उसे रोका जाना चाहिए। उनका कहना था कि वक्फ धार्मिक संस्था नहीं है और अगर इस संस्था को दान दी जाने वाली संपत्ति लूटी जा रही है तो सरकार इस पर चुप नहीं रह सकती है। साथियों बात अगर हम वक्फ (संशोधन) बिल लोकसभा में पारित होने की करें तो, वक्फ संशोधन विधेयक लोकसभा से पास हो गया। 12 घंटे से ज्यादा समय तक चली मैराथन चर्चा के बाद लोकसभा ने वक्फ (संशोधन) विधेयक 2025 पारित कर दिया। इस विधेयक के पक्ष में 288 और विपक्ष में 232 वोट पड़े। स्पीकर ओम बिरला ने चर्चा पूरी होने के बाद वोटिंग करवाई। इस दौरान बिल के पक्ष में 288 वोट पड़े, वहीं विरोध में 232 वोट पड़े और इस तरह रात 2 बजे वक्फ संशोधन बिल लोकसभा से पास हो गया। इससे पहले सदन में गौरव गोर्गोई, औवैसी समेत कई सदस्यों की ओर से लाए गए संशोधन खारिज हो गए। साथियों बात अगर हम 2 अप्रैल 2025 को सुबह संसद में बिल पेश होने की करें तो केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री ने लोकसभा में वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2025 पेश किया। बिल पेश करने के बाद अपने संबोधन में स्पष्ट किया कि इस विधेयक का धार्मिक व्यवस्था से कोई संबंध नहीं है। उन्होंने कहा, यह बिल धार्मिक मामलों में हस्तक्षेप करने के लिए नहीं, बल्कि वक्फ संपत्तियों के प्रबंधन में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए लाया गया है। उन्होंने जोर देकर कहा कि सरकार का उद्देश्य वक्फ संपत्तियों को बेहतर देखरेख और डिजिटलीकरण के जरिए विधेयक को मजबूत करना है, न कि किसी की जमीन छीनना। बिल पर चर्चा शुरू करते हुए रिजिजू ने कहा कि वक्फ बिल पर दोनों सदनों की संयुक्त समिति के सदस्यों ने अपने-अपने विचार रखे। उन्होंने कहा कि समाज के हर वर्ग ने इस बिल को लेकर अपने सुझाव दिए। इनमें कानून के जानकारों ने भी सुझाव दिए। मंत्री ने कहा कि ये पहली बार नहीं है जब वक्फ बिल में संशोधन हो रहा है। इससे पहले भी हुआ है। अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि वक्फ संशोधन बिल 2025 की लड़ाई, अंजाम तक आई- लोकसभा में अर्ली मॉर्निंग 288/232 से बिल पारित - 3 अप्रैल को राज्यसभा से भी पारित होगा। 12 घंटे की लंबी मैराथन बहस के बाद, वक्फ संशोधन बिल 2025 लोकसभा में पारित। लोकसभा में लगातार 12 घंटे की बहस सुनने से लेकर अर्ली मॉर्निंग 4 बजे यह रिपोर्ट बनाना मेरे लिए रोमांचित अनुभव रहा।

संपादकीय

बुलडोजर पर प्रहार

ग्राम के इलाहाबाद में बुलडोजर से घर ढहाने को सुप्रीम कोर्ट ने प्रमानवीय और अवैध करार देते हुए कहा कि इससे अलगत की आत्मा तो झटका लगा है। उग्र सरकार को प्रत्येक परिवार को दस लाख रुपये का मुआवजा देने के साथ अधिकारियों को उनकी अत्याचारिता के लिए सबक सिखाने का आदेश दिया। पीठ ने कहा कि इस देश में आश्रय का अधिकार, कानून की उचित प्रक्रिया और कानून का शासन जैसी कोई गीज है। आवासोप्य परिसरों को मनमाने तरीके से ध्वस्त करने पर विकास अधिकारियों को यह याद रखने को कहा कि आश्रय का अधिकार गैलिक अधिकार है और संविधान के अनुच्छेद 21 (जीवन व स्वतंत्रता) का अभिन्न अंग है। शीर्ष अदालत ने अंबेडकरनगर जिले के नेवासी हैं जिन्के घर मार्च, 2021 में बुलडोजर से ध्वस्त किए गए थे। प्रका कहना है कि स्थानीय अधिकारियों ने गलत धारणाओं के आधार पर घर गिराया कि वे माफिया अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ अहमद की संपत्तियां हैं। शीर्ष अदालत ने अंबेडकरनगर जिले में बुलडोजर कार्यवाई का भी हवाला दिया। झोपड़पट्टियों को ध्वस्त किए जाने का कहा कि वह बहुत परेशान करने वाला और चोंकाने वाला है। उग्र सरकार के वकील ने दलील दी कि ये मकान अवैध थे इसलिए ध्वस्त किए गए। इनके साथ संपत्तियां भी ढहाई गईं। हेरत है कि इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने तोड़-फोड़ की इस कार्यवाई के खिलाफ दायर याचिका ब्रिजिज कर दी थी। राज्य सरकार का दावा था कि बुलडोजर कार्यवाई शिवर अपराधियों और माफिया के खिलाफ की गईं। इस हकीकत के राजवजद सरकारी तंत्र को उचित नोटिस देने के साथ ही रहवासियों को हाजजात दिखाने और मालिकाना साबित करने का वक्त देना चाहिए था।

चिंतन-मनन

द्वंद्व के बीच शान्ति की खोज

ज्वल ज्ञान की बातें करें। किसी व्यक्ति के बारे में दूसरे व्यक्ति से सुनी बातें मत दोहराओ। जब कोई व्यक्ति तुम्हें नकारात्मक बातें कहे, तो उसे हीं रोक दो, उस पर वास भी मत करो। यदि कोई तुम पर कुछ आरोप लगाये, तो उस पर वास न करो। यह जान लो कि वह बस तुम्हारे बुरे जर्मों को ले रहा है और उसे छोड़ दो। यदि तुम गुरु के निकटतम में से क हो तो संसार के सारे आरोपों को हंसते हुए ले लो। द्वंद्व संसार का वभाव है और शान्ति आत्मा का स्वभाव है। द्वंद्व के बीच शान्ति की खोज नो। द्वंद्व समाप्त करने की चेष्टा द्वंद्व को और ज्यादा बढ़ाती है। आत्मा की शरण में आकर विरोध के साथ रहो। जब शान्ति से मन ऊबने लगे तो सांसारिक क्रिया-कलापों का मजा लो। गौर जब इनसे थक जाओ तो आत्मा की शान्ति में आ जाओ। यदि तुम रु के करीब हो, तो दोनों क्रिया कलाप साथ-साथ करो। ईश्वर व्यापक । और अमृत काल से ईश्वर सभी विरोधों को संभालते आए हैं। यदि श्वर सारे विरोधों को ले सकते हैं, तो निश्चित ही तुम भी ऐसा कर सकते । जैसे ही तुम विरोध के साथ रहना स्वीकार कर लेते हो, विरोध स्वतः म्पान हो जाता है। शान्ति चाहने वाले लोग लड़ना नहीं चाहते और संके विपरीत लड़ाई करने वाले शान्ति पसन्द नहीं करते। शान्ति चाहने वाले लड़ाई से बचना चाहते हैं। आवश्यक यह है कि मन को शांत करें गौर फिर लड़ें। गीता की यही मूल शिक्षा है। कृष्ण अजरुन को उपदेशा ते हैं कि अजरुन युद्ध करो मगर हृदय को शान्त रखकर। त्सार में जैसे ही तुम एक विरोध को समाप्त करते हो तो दूसरा खड़ा हो ताता है। उदाहरण के लिए जैसे ही रूस को समस्या समाप्त हुई, बोस्निया की समस्या खड़ी हो गई। एक समस्या हल होती है, तो दूसरी शुरू हो जाती है। तुम्हें जुकाम हुआ। वह जरा ठीक हुआ नहीं कि फिर कर्म में रं शुरू हो गया। फिर यह ठीक हो गया। और तो और, शरीर ठीक ठाक तो मन अशांत हो जाता है। बिना किसी इरादे के गलतफहमियां पैदा ती हैं, उलझन पैदा होती है। यह तुम्हारे ऊपर नहीं कि तुम उनका प्पाधान करो। तुम तो बस उन पर ध्यान न दो, बस जीवन्त रहो।



डॉ हिदायत अहमद खान

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने टैरिफ मामले में जो कहा वह करके दिखला दिया है। इसे लेकर दुनिया के अनेक देश दोस्ती और दुश्मनी वाला फामूलां तलाशने में लग गए हैं। बताया जा रहा है कि ट्रंप के टैरिफ से किसे क्या नुकसान और क्या फायदा होगा, लेकिन इतना तो तय है कि ट्रंप ने एक बार फिर अपनी व्यापारिक नीतियों से वैश्विक बाजार में हलचल मचा दी है। हाल ही में उन्होंने चीन, भारत, बांग्लादेश और पाकिस्तान समेत कई देशों पर भारी टैरिफ लगाने की घोषणा की है। चीन पर 34 प्रतिशत, बांग्लादेश पर 37 प्रतिशत और पाकिस्तान पर 29 प्रतिशत टैरिफ लगाने के अलावा, भारत से अमेरिका में आयात होने वाले सामानों पर 26 प्रतिशत शुल्क लगाए जाने की घोषणा की गई। ट्रंप का कहना है कि यह कदम अमेरिका की आर्थिक सुरक्षा के लिए आवश्यक है। जहां तक भारत की बात है तो ट्रंप ने यहां के लिए 26 प्रतिशत टैरिफ की घोषणा करते हुए दावा किया कि भारत अमेरिकी आयात पर 52 प्रतिशत टैरिफ लगाता है। हालांकि, भारतीय व्यापार



ललित गर्ग

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के 25 साल बाद राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के मुख्यालय के अंगने में पहुंचकर संघ के संस्थापक केशव बलिराम हेडगेवार और दूसरे सरसंघचालक माधव सदाशिव गोलवलकर (गुरुजी) के स्मारक स्मृति मंदिर में श्रद्धांजलि दी, जिससे संघ एवं भाजपा के बीच एक नई तरह की ऊर्जामयी सोच एवं समझ विकसित हुई है। एक नई प्राणवान ऊर्जा का सूरज उगा है, नये संकल्पों को फंख लगे हैं। संघ के सौ वर्ष पूरे करने के ऐतिहासिक अवसर पर मोदी ने सही कहा कि संघ भारत की अमर संस्कृति का आधुनिक अक्षय वट है, जो निरंतर भारतीय संस्कृति और राष्ट्रीय चेतना को ऊर्जा प्रदान कर रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने 34 मिनट की संबोधन में देश के इतिहास, भक्ति आंदोलन, इसमें संतों की भूमिका के लिए अति-स्वस्थ कार्य प्रणाली, देश के

ट्रंप के टैरिफ का वैश्विक अर्थव्यवस्था पर दिखेगा जल्द असर

नीति और अमेरिकी निर्यात पर लगाए गए एकों का विश्लेषण करने पर यह आंकड़ा अतिशयोक्तिपूर्ण प्रतीत होता है। इसलिए यदि यह कहा जा रहा है कि ट्रंप की यह नई घोषणा भारत-अमेरिका व्यापार संबंधों को प्रभावित कर सकती है, तो गलत नहीं है। देखा जाने वाली बात तो यह भी है कि जिस तरह से ट्रंप ने कनाडा और मैक्सिको को लेकर बयान दिए थे, उसके बाद यही कहा जा रहा था कि इन देशों पर सौ फीसद टैरिफ लगाया जा सकता है, लेकिन इसके उलट व्हाइट हाउस ने कनाडा और मैक्सिको को इस टैरिफ से छूट दे दी। इसकी वजह इन दोनों देशों के साथ अमेरिका के मौजूदा अंतरराष्ट्रीय व्यापार समझौते लागू होने को बताया जा रहा है। मतलब यह हुआ कि ट्रंप बयान कुछ देते हैं और नीति कुछ और लागू करते हैं, जिसका उदाहरण ये दो देशों को टैरिफ से छूट और भारत को दोस्त बताने के बावजूद टैरिफ में शामिल करना है। इस स्थिति में ट्रंप के अन्य देशों पर लगाए गए नए शुल्क वैश्विक व्यापार पर महत्वपूर्ण असर डालने वाले साबित हो सकते हैं, जिससे विश्व अर्थव्यवस्था अस्थिर हो सकती है। ट्रंप की नई टैरिफ नीति के चलते वैश्विक व्यापारिक संतुलन बिगड़ सकता है। विचार करने वाली बात है कि कोविड-19 महामारी के बाद से दुनिया की अर्थव्यवस्था अभी बमुश्किल संभलने का प्रयास कर रही थी कि यह नया झटका निवेशकों की चिंता बढ़ाने वाला साबित हो सकता है। यह टैरिफ वैश्विक व्यापारिक वृद्धि को धीमा कर सकते हैं, कॉर्पोरेट आय पर असर डाल सकते हैं और महंगाई बढ़ा सकते हैं। इसका मतलब यह नहीं हुआ कि अमेरिका दुनिया के

अन्य देशों से हटकर मंदी की मार से बच रहेगा। बल्कि इसका बुरा असर उस पर भी पड़ेगा। इसका आंकलन करते हुए ही इंफ्रास्ट्रक्चर कैपिटल एडवाइजर्स के सीईओ जॉन हैटफील्ड कहते हैं, कि यह सबसे बुरी स्थिति है, जिसकी बाजार को उम्मीद थी। अमेरिका को मंदी में धकेलने के लिए यह टैरिफ काफी हैं, और इससे वैश्विक अर्थव्यवस्था भी प्रभावित होगी। इसी प्रकार नोमुरा रिसर्च इंस्टीट्यूट के प्रमुख अर्थशास्त्री ताकाहिदे किबुची ने भी ट्रंप की इस नीति को खतरा प्री ट्रेड के लिए खतरा बताया है। उनका मानना है कि दूसरे विश्व युद्ध के बाद से अमेरिका ही वैश्विक मुक्त व्यापार का नेतृत्व कर रहा था, लेकिन इस तरह के टैरिफ से यह प्रणाली बुरी तरह प्रभावित होगी। ऐसे में भारत समेत दुनिया के अनेक देशों के लिए यह नई टैरिफ नीति चिंता का विषय बनी हुई है। भारतीय निर्यातकों को डर है कि इससे उनके उत्पादों की अमेरिकी बाजार में प्रतिस्पर्धात्मकता घट जाएगी। अगर अमेरिका ने भारतीय उत्पादों पर 26 प्रतिशत टैरिफ लगाया, तो भारतीय व्यापारियों को अपने उत्पादों की कीमतें बढ़ानी पड़ेंगी, जिससे उनकी मांग कम हो सकती है। मांग कम घटने पर आपूर्ति घट जाएगी और उत्पादन पर विपरीत असर पड़ेगा। कंपनी व उद्योग जगत को खासा नुकसान उठाना पड़ेगा। ऐसे में कहना गलत नहीं होगा कि अमेरिका के ये कड़े कदम वैश्विक व्यापार युद्ध को और भड़का सकते हैं। यूरोपीय संघ और चीन जैसे बड़े व्यापारिक साझेदार अमेरिका की इस नीति के खिलाफ जवाबी टैरिफ लगा सकते हैं, जिससे वैश्विक व्यापार और अधिक जटिल हो सकता है। कुल मिलाकर ट्रंप के टैरिफ से केवल

भारत ही नहीं बल्कि दुनिया के अन्य देश भी बुरी तरह प्रभावित होंगे, जिससे अमेरिका खुद भी अछूता नहीं रह पाएगा। अब यदि अमेरिका ने अपनी टैरिफ नीति में नरमी नहीं दिखाई, तो भारत को इसका संतुलित जवाब तो देना ही होगा। गौर करने वाली बात यह है कि भारत अमेरिका से कई महत्वपूर्ण तकनीकी और रक्षा उपकरण आयात करता आया है, और यदि यह व्यापार प्रभावित हुआ तो इससे दोनों देशों के संबंधों पर भी असर पड़ सकता है। इससे पहले भी, भारत और अमेरिका के बीच व्यापार विवाद सामने आए हैं। जैसे कि 2019 में ट्रंप प्रशासन ने भारत को ह्यजनरलाइज्ड सिस्टम ऑफ प्रफरेंसेसह सं बाहर कर दिया था, जिससे भारत को अमेरिका में व्यापारिक छूट मिलना बंद हो गई थी। अब नए टैरिफ के चलते व्यापारिक रिश्ते और अधिक जटिल होने की आशंका है। डोनाल्ड ट्रंप के नए टैरिफ दुनिया के व्यापारिक संतुलन को बदल सकते हैं। जहां अमेरिका में अपनी आर्थिक स्वतंत्रता की घोषणा मान रहा है, तो वहीं भारत और अन्य देश इसे व्यापारिक संबंधों पर नकारात्मक प्रभाव डालने वाला कदम बता रहे हैं। बावजूद इसके टैरिफ पर अमेरिका से लगातार बातचीत होनी चाहिए और व्यापारिक रिश्तों को बचाए रखने के साथ व्यापार को सुगम बनाने की पहल होती रहनी चाहिए। क्योंकि बिना बातचीत के यदि अन्य देश भी जवाबी टैरिफ लगाने जैसा सख्त कदम उठाते हैं, तो वैश्विक अर्थव्यवस्था पर मंदी के बादल और गहरा सकते हैं। इस मामले में वाकई अमेरिका को नरमी दिखाने की आवश्यकता है।

संघ-भाजपा में तालमेल से जुड़े सुखद संकेत

विकास, युवाओं में धर्म-संस्कृति, स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार, शिक्षा, भाषा और प्रयागराज महाकुंभ की चर्चा करते हुए जहां नये बर रहे भारत की बानगी प्रस्तुत की, वहीं संघ की उपयोगिता एवं महत्व को चार-चांद लगाये। प्रधानमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी की संघ के मुख्यालय की इस पहली यात्रा के गहरे निहितार्थ भी हैं तो दूरगामी परिदृश्य भी है। जो इस बात का संकेत है कि पिछले आम चुनाव के दौरान संघ व भाजपा के रिश्तों में जिस खटास को अनुभव किया था, वह संवाद, समझ, सकारात्मक सोच व संपर्क से दूर कर ली गई है। जो इस बात का भी संकेत है कि आने वाले वक्त में भाजपा व सरकार के अहम फैसलों में संघ की भूमिका बढ़ेगी, जिससे देश हिन्दू राष्ट्र के रूप में सशक्त होते हुए विश्व गुरु बनने के अपने संकल्प को पूरा कर सकेगा। वसुधैव कुटुम्बकम के भारत के उद्घोष को अधिक सार्थक करते हुए दुनिया के लिये एक रोशनी बनेगा। यह सर्वविधित है कि मोदी भी संघ की पृष्ठभूमि से आते हैं। साथ ही वे संघ की रीति-नीतियों से भली-भांति परिचित हैं। लेकिन पिछले आम चुनाव के दौरान भाजपा के कुछ वरिष्ठ नेताओं के कुछ अतिशयोक्तिपूर्ण एवं अहंकारी बयानों से भाजपा का कद संघ से बड़ा बनाने की कोशिशें हुई थी, जिसके चलते संघ व भाजपा के रिश्तों में कुछ कसक एवं खटास देखी गई। जिसका असर लोकसभा चुनाव में चार सौ पार के लक्ष्य पर पड़ा, उसके मूल में संघ कार्यकर्ताओं की उदासीनता रही है। बाद में दोनों के रिश्ते सामान्य होने

के बाद हरियाणा, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़ एवं दिल्ली के विधानसभा चुनाव में भाजपा को जो आशातीत सफलता हाथ लगी, कहा जा रहा था कि उसमें संघ कार्यकर्ताओं का समर्पण व सक्रिय भागीदारी महत्वपूर्ण घटक रहा। अब संघ मुख्यालय में प्रधानमंत्री की यात्रा से यह तथ्य भी उजागर हुआ कि दोनों की रीतियों-नीतियों फिर से बेहतर तालमेल स्थापित हुआ है। इसका असर आने वाले दिनों में भाजपा अध्यक्ष के चुनाव में संघ की भूमिका को लेकर देखने को मिलेगा, ऐसा ही असर बदलते वक्त के साथ पार्टी के अन्य फैसलों पर भी नजर आ सकता है। आने वाले समय में भाजपा के लिये संघ का सहयोग पंजाब, केरल और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में अपनी जमीन मजबूत करने एवं जुड़े जमाने में मील का पत्थर साबित होगा। इन राज्यों में संघ अपनी आधार भूमि को विस्तार दे रहा है। यानी दोनों अब सामंजस्य, सहयोग व सहजता के साथ आगे बढ़ेंगे। अर्थात् भाजपा अब अपने वैचारिक एवं ऊर्जा स्रोत के साथ बेहतर तालमेल करके चलना चाहेगी। मोदी की नागपुर यात्रा के अनेक शुभ संकेत देखे जा रहे हैं, इसको औरजनेब, राणा सांगा, संभल विवाद के बीच हिन्दुत्व की राजनीति को ही धार देने की कोई योजना के साथ जोड़कर भी देखा जा रहा है, नरेंद्र मोदी और संघ प्रमुख मोहन भागवत की इस मुलाकात को 2029 के चुनावों की कोई नई पटकथा तैयार करने की पृष्ठभूमि में भी देखा जा रहा है।

विपक्ष बौखला रहा है वहीं इस यात्रा ने संघ के भीतर भी कई लोगों को सुखद आश्चर्य में डाल दिया है। मोदी दीक्षाभूमि भी गए, जहां डॉ. बाबासाहेब भीमराव आंबेडकर ने 1956 में अपने हजारों अनुयायियों के साथ बौद्ध धर्म अपनाया था। उन्होंने दीक्षाभूमि की सामाजिक न्याय और दलितों को सशक्त बनाने के प्रतीक के रूप में सराहना करते हुए डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर के सपनों में भाजपा अध्यक्ष के लिए और भी अधिक मेहनत करने की सरकार की प्रतिबद्धता दोहरा कर सबका दिल जीत लिया। मोदी की असेर से नागपुर में अपने संबोधन के दौरान संघ की भरपूर प्रशंसा को अपने वैचारिक मार्गदर्शक के प्रति भाजपा के रुख में आये बदलाव के रूप में देखा जा रहा है। मोदी ने संघ की हट्टाष्ट निर्माण और विकास में रचनात्मक भूमिकाओं को रेखांकित करके अपनी ह्य2047 तक विकसित भारतहक की योजनाओं में संघ की भूमिका के महत्व को भी दर्शाया है। प्रधानमंत्री मोदी ने प्रयागराज में हाल ही में संपन्न महाकुंभ मेले में ह्यमहत्वपूर्ण भूमिकाह्य निभाने के लिए भी स्वयंसेवकों को श्रेय दिया था। इसके अलावा, हाल ही में केंद्र सरकार द्वारा सरकारी कर्मचारियों पर आरएसएस द्वारा की जाने वाली सामाजिक गतिविधियों में भाग लेने पर लगाए गए प्रतिबंधों को भी हटा दिया गया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने जीवन-संकल्पों एवं विचार-ऊर्जा के जिस आंगन में आठ वर्ष की आयु में कदम रख कर जीने की कला सीखी।

मुद्दीभर कैलिफोर्निया बादाम के साथ बढ़ाए अपनी संपूर्ण सेहत

भोपाल। हर साल 7 अप्रैल को मनाया जाने वाला वर्ल्ड हेल्थ डे यह याद दिलाता है कि अच्छी सेहत का मतलब सिर्फ लंबा जीवन नहीं, बल्कि स्वस्थ और बेहतर जीवन जीना है। इसके लिए सबसे जरूरी पहलुओं में से एक है पोषण, क्योंकि संतुलित आहार हमारी समग्र सेहत को सुनिश्चित करता है। पोषण पाने का एक आसान लेकिन असरदार तरीका है अपने रोजमर्रा के आहार में कैलिफोर्निया बादाम जैसे पोषक तत्वों से भरपूर खाद्य पदार्थों को शामिल करना। भारत में सबसे लोकप्रिय कैलिफोर्निया बादाम, प्रोटीन, फाइबर, हेल्दी फैट्स, मैग्नीशियम, जिंक और विटामिन ई सहित 15 जरूरी पोषक तत्वों का प्राकृतिक स्रोत है, जो सेहतमंद जीवनशैली का समझदारी भरा हिस्सा बन सकते हैं। हमारी दादी-नानी सदियों से बादाम खाने की सलाह देती आई हैं, और अब विज्ञान भी उनके अनुभवों की पुष्टि करता है। 200 से अधिक प्रकाशित रिसर्च में यह सामने आया है कि बादाम न केवल ऊर्जा और रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाते हैं, बल्कि दिल की सेहत, ब्लड शुगर कंट्रोल और वजन प्रबंधन में भी मददगार हैं। मैक्स हेल्थकेयर, नई दिल्ली में रीजनल हेड, डाइटीटिक्स प्रतिक्रिया समझार कहती हैं, भारत में खराब खानपान और निष्क्रिय जीवनशैली की वजह से मोटापा, हृदय रोग और डायबिटीज बढ़ रही हैं। ऐसे में समग्र स्वास्थ्य को प्राथमिकता देना और छोटे लेकिन समझदारी भरे फैसले लेना जरूरी है, जैसे बादाम, फल और सब्जियों अपनी डाइट में शामिल करना। बादाम खासकर दिल की सेहत के लिए लाभकारी हैं, ये कोलेस्ट्रॉल को कम करने और सूजन घटाने में मदद कर सकते हैं।

सैमसंग ने अपने सैमसंग केयर+ के साथ घरेलू उपकरणों पर विशेष एक्सटेंडेड वारंटी का तोहफा दिया

गुरुग्राम, एजेंसी। भारत के सबसे बड़े कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड, सैमसंग ने अपने चुनिंदा रेफ्रिजरेटर्स और फ्रंट लोड वॉशिंग मशीनों पर सैमसंग केयर+ के साथ देशभर में एक विशेष एक्सटेंडेड वारंटी कैम्पेन शुरू किया है। यह ऑफर 30 अप्रैल, 2025 तक वैध है, जिससे उपभोक्ताओं को ज्यादा आकर्षक और किफायती मूल्य पर अपने उपकरणों के लिए बेहतर सुरक्षा मिलेगी। उपकरणों को खरीदने के दौरान ड्यूरेबिलिटी सबसे प्रमुख कारक है, यह पहल सैमसंग की विश्वसनीय आपूर्त-सेल्स सेवा के साथ उपभोक्ताओं को ज्यादा सुविधा और लंबे समय में आश्वासन प्रदान करती है। इस विशेष ऑफर के तहत, उपभोक्ता चुनिंदा फ्रंट लोड वॉशिंग मशीनों पर सिर्फ 499 रुपये के विशेष मूल्य पर 4,290 रुपये की सैमसंग केयर+ के साथ 2 साल की एक्सटेंडेड एवं कॉम्प्रीहेंसिव वारंटी का लाभ उठा सकते हैं। इसके अलावा, रेफ्रिजरेटर्स की बात करें तो, सैमसंग फ्रेंच डोर और साइड-बाय-साइड (एसबीएस) मॉडलों पर 4490 रुपये की वारंटी के लिए 449 रुपये और 500 लीटर से नीचे के फ्रिज मॉडलों पर 1270 रुपये की वारंटी के लिए 349 रुपये के विशेष मूल्य पर 1 साल की एक्सटेंडेड वारंटी दे रहा है। उपभोक्ता सैमसंग के रिटेल स्टॉर्स, सैमसंग डाट काम और देश भर की दूसरी रिटेल दुकानों में इस सीमित समय के ऑफर का लाभ उठा सकते हैं। सैमसंग का कहना है कि वे ग्राहकों को नए-नए उच्च गुणवत्ता के उत्पाद और डिजिटल के बाद अच्छी सेवाएं देना चाहते हैं। वे हमेशा नए और भरोसेमंद उत्पाद बनाते हैं, ताकि लोगों का जीवन बेहतर हो सके और ग्राहक पूरी तरह संतुष्ट हों।

पेनी स्टॉक ने किया एक महीने में पैसा डबल

10 रुपये से कम कीमत का यह शेयर बना रॉकेट



नई दिल्ली, एजेंसी। नए वित्त वर्ष के पहले दिन एक अप्रैल को शेयर मार्केट में बड़ी गिरावट आई थी। वहीं बुधवार को इसमें कुछ सुधार दिया। हालांकि स्टॉक मार्केट में कुछ शेयर पर इस गिरावट का कोई असर दिखाई नहीं दे रहा है। गिरावट से अलग इनमें लगातार अपर सर्किट लग रहा है। ऐसा ही एक शेयर स्टॉक मार्केट में बुलिश बना हुआ है। इसमें लगातार तेजी आ रही है। बुधवार को भी इसमें मार्केट खुलते ही 5 फीसदी का अपर सर्किट लग गया। इस पेनी स्टॉक की कीमत 10 रुपये से कम है। इस पेनी स्टॉक का नाम स्वदेशी इंडस्ट्रीज एंड लीजिंग लिमिटेड है। बुधवार को इस पेनी स्टॉक में मार्केट खुलते ही तेजी आ गई। इस शेयर में पिछले कई दिनों से लगातार अपर सर्किट लग रहा है। बुधवार सुबह 11 बजे यह शेयर करीब 5 फीसदी के अपर सर्किट के साथ 6.26 रुपये पर पहुंच गया। यानी 10 रुपये से कम कीमत का यह शेयर निवेशकों को जबरदस्त रिटर्न दे रहा है। शेयर बाजार में हाहाकार के बीच उछला यह जूलरी स्टॉक, प्रमोटर्स ने छुड़ाए सारे गिरवी शेयर, 5 साल में 1750 प्रतिशत तेजी

- एक महीने में दोगुना पैसा- इस शेयर ने एक महीने में ही निवेशकों को दोगुना रिटर्न दे दिया है। एक महीने पहले इसकी कीमत 3.06 रुपये थी। अब 6.26 रुपये है। ऐसे में एक महीने में इसका रिटर्न 104.58 प्रतिशत रहा है। अगर आपने एक महीने पहले इसमें एक लाख रुपये निवेश किए होते तो आज आपकी वह रकम बढ़कर 2.04 लाख रुपये हो चुकी होती। यानी एक साल में आपको एक लाख रुपये के निवेश पर एक लाख रुपये से ज्यादा का फायदा हो चुका होता।
- एक साल में छप्परफाड़ रिटर्न- एक साल में इस शेयर ने निवेशकों को छप्परफाड़ रिटर्न दिया है। एक साल पहले इसकी कीमत 2.10 रुपये थी। यानी तब से लेकर अब तक देखें तो इसका रिटर्न करीब 200 फीसदी रहा है। एक साल में इसने एक लाख रुपये को 3 लाख रुपये में बदल दिया है।

- 52 हफ्ते के शिखर पर- यह शेयर इस समय अपने 52 हफ्ते के शिखर पर है। वहीं कंपनी का 52 हफ्ते का निम्नतम स्तर 2.10 रुपये है। यह शेयर अपने निम्नतम स्तर पर 8 अप्रैल 2024 को आया था। इसके बाद से इसमें तेजी बनी हुई है।
- क्या है कंपनी का काम- स्वदेशी इंडस्ट्रीज एंड लीजिंग लिमिटेड कंपनी कपड़ों से जुड़ा कारोबार करती है। यह कंपनी टेक्स्टाइल और डेडिंग सेगमेंट के जरिए कारोबार को ऑपरेट करती है। बीएसई की ऑफिशियल वेबसाइट के मुताबिक कंपनी का मार्केट कैप 6.77 करोड़ रुपये है।

ईवी खरीद रहे हैं तो इन खर्चों को भी जान लीजिए

कोई कार डीलर आपको नहीं बताएगा



नई दिल्ली, एजेंसी। इलेक्ट्रिक व्हीकल्स को लेकर लोगों में एक उम्मीद रहती है कि ये लम्बे समय में पैसे बचाएंगी। लेकिन, कुछ ईवी मालिकों का कहना है कि इसमें कुछ ऐसे छुपे हुए खर्च भी होते हैं, जो इसे उम्मीद से ज्यादा महंगा बना सकते हैं। देखने में तो इनकी कीमत ठीक लगती है, पर कुछ छुपे हुए खर्चों की वजह से बचत होने से पहले ही ये महंगी लगने लगती है।

एक और यूजर का छलका दर्द- उनकी इस बात पर एक यूजर ने स्कूटर के बारे में भी ऐसी ही बात कही। उन्होंने कहा, मैंने एक ईवी स्कूटी का हिसाब लगाया। एक चूल्हा 1 डू जो 1 लाख रुपये की है, वो 5 साल बाद फायदे में आएगी अगर उसे हर महीने 500 किलोमीटर चलाया जाए। ईवी स्कूटी पैसे बचाने के लिए ठीक नहीं है। इसका बस एक ही फायदा है कि आप पर्यावरण के बारे में बात कर सकते हैं, लेकिन जो बिजली इस्तेमाल होती है वो शायद थर्मल पावर से आती है...

उदित गोयनका ने बताया

एंजल इन्वेस्टर, उदित गोयनका ने इलेक्ट्रिक गाड़ियों को लेकर कुछ ऐसी ही बातें बताई हैं। उन्होंने एक्स (पहले ट्विटर) पर लिखा कि गाड़ी खरीदने वाले लोग अक्सर इस्टालेशन और इंफ्रास्ट्रक्चर के

- ईवी रखने के और भी खर्च हैं- ईवी रखने के खर्च इंटालेशन के बाद भी खत्म नहीं होते। चार्जिंग का खर्चा अलग-अलग जगहों पर अलग-अलग होता है। बिजली की दरें और टाइम-ऑफ-यूज प्लान बदलते रहते हैं, जिससे मालिकों को हर महीने का खर्चा पता नहीं चल पाता।
- इसे उदाहरण से समझें- एक उदाहरण के तौर पर, मान लीजिए आपने एक चमचमाली नई इलेक्ट्रिक गाड़ी खरीदी। डीलर ने आपको खूब सपने दिखाए कि कैसे आप पेट्रोल के खर्च से बचेंगे और पर्यावरण को भी साफ रखेंगे। लेकिन, जब आप गाड़ी लेकर घर पहुंचें, तो असली कहानी शुरू होती है। सबसे पहले तो आपको घर पर चार्जिंग स्टेशन लगवाना पड़ेगा। अब ये चार्जिंग स्टेशन क्या है ये एक तरह का बिजली का सर्किट है, जिससे आप अपनी गाड़ी को चार्ज करेंगे। लेकिन, ये सर्किट लगवाना इतना आसान नहीं है। इसके लिए आपको बिजली कंपनी से परमिशन लेनी होगी, मीटर बदलवाना होगा और फिर एक इलेक्ट्रीशियन को बुलाकर चार्जिंग स्टेशन लगवाना होगा। इन सब में आपके 30-40 हजार रुपये तो आराम से लग जाएंगे।
- फिर होगा लाखों का खर्चा- अब आप सोच रहे होंगे कि चलो, एक बार इतना खर्चा हो गया तो हो गया, बाद में तो बचत ही बचत है। लेकिन, ऐसा नहीं है। इलेक्ट्रिक गाड़ियों में बैटरी होती है, जो कुछ सालों बाद खराब हो जाती है। इस बैटरी को बदलवाने में आपके 50 हजार से लेकर 2 लाख रुपये तक का खर्चा आ सकता है।

मूडीज रिपोर्ट: विकसित और उभरते जी-20 देशों में सबसे अधिक रहेगी भारत की वृद्धि दर



नई दिल्ली, एजेंसी। भारत की वृद्धि दर कर उपायों और निरंतर मौद्रिक सहजता के दम पर एक अप्रैल से शुरू नए वित्त वर्ष 2025-26 में 6.5 फीसदी रहेगी, जो विकसित और उभरते जी-20 देशों में सबसे अधिक होगी। इसके साथ ही, देश पूंजी आकर्षित करना जारी रखेगा और किसी भी विदेशी पूंजी निकासी को आसानी से झेल सकेगा। मूडीज रेटिंग्स ने उभरते बाजारों पर मंगलवार को जारी रिपोर्ट में कहा, अमेरिकी नीतियों में अनिश्चितता से पूंजी निकासी का जोखिम बढ़ेगा, लेकिन भारत और ब्राजील जैसे बड़े उभरते बाजार अपनी घरेलू उन्मुख अर्थव्यवस्थाओं, बड़े घरेलू पूंजी बाजारों, नीति विश्वसनीयता व पर्याप्त विदेशी मुद्रा भंडार के दम पर ऐसे हालात में वैश्विक पूंजी आकर्षित करने और बनाए रखने के लिए बेहतर स्थिति में हैं। रेटिंग एजेंसी ने कहा, सबसे तेजी से बढ़ती

मार्च में जीएसटी संग्रह 9.9 प्रतिशत बढ़कर 1.96 लाख करोड़ रुपये से अधिक हुआ

नई दिल्ली, एजेंसी। मार्च में सकल जीएसटी संग्रह 9.9 प्रतिशत बढ़कर 1.96 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया। सरकार ने मंगलवार को इससे जुड़े आंकड़े जारी किए। सरकार की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार, मार्च में घरेलू लेनदेन से जीएसटी राजस्व 8.8 प्रतिशत बढ़कर 1.49 लाख करोड़ रुपये हो गया, जबकि आयातित वस्तुओं से राजस्व 13.56 प्रतिशत बढ़कर 46,919 करोड़ रुपये हो गया। मार्च के दौरान कुल रिफंड 41 प्रतिशत बढ़कर 19,615 करोड़ रुपये पर पहुंच गया।

सस्टेनेबल सोया फूड्स से भारत में प्रोटीन की कमी हो सकती है पूरी

इंदौर। समाज में हो रहे आर्थिक बदलावों के साथ-साथ दुनिया की बढ़ती आबादी के चलते खेती के जरूरी संसाधनों, जैसे जमीन और पानी, पर दबाव बढ़ रहा है। अनुमान है कि 2050 तक दुनिया की आबादी को 70 प्रतिशत ज्यादा प्रोटीन की जरूरत होगी, और विज्ञान कहता है कि सोयाबीन प्रोटीन का एक आदर्श स्रोत है। एक स्वस्थ समाज के लिए प्रोटीन एक आवश्यक तत्व है, लेकिन यदि यह जरूरत केवल जानवरों से मिलने वाले प्रोटीन से पूरी की गई, तो पर्यावरण को नुकसान होगा, ज्यादा ग्रीनहाउस गैस निकलेगी और अधिक पानी व जमीन की आवश्यकता होगी। इसलिए, हमें प्रोटीन के मौजूदा स्रोतों को बेहतर बनाने और इसानों के लिए नए, अच्छे और किफायती प्रोटीन विकल्प खोजने की जरूरत है, और यहाँ पर सोया एक आदर्श विकल्प बनकर सामने आया है। भारत में किए गए एक सर्वे के अनुसार, 85 प्रतिशत भारतीयों में प्रोटीन की कमी है। यहाँ तक कि 80 प्रतिशत मासाहारी लोगों में भी प्रोटीन की कमी पाई गई है। प्रोटीन की कमी से

शरीर के विकास और सेहत पर बुरा असर पड़ता है। इसलिए, खाने में अच्छी गुणवत्ता वाले और किफायती प्रोटीन स्रोतों को शामिल करना आवश्यक है। सोया फूड प्रमोशन एंड डेवलपमेंट एसोसिएशन एक इंटरनेशनल सोया कांफ्रेंस कर रहा है, जिसका उद्देश्य दुनिया भर में सोया खाने की नई जानकारीयें बाँटना और पोषण में सोया की भूमिका पर चर्चा करना है। इस कांफ्रेंस में सोया खाने की नई और उभरती प्रवृत्तियाँ, सोया खाना बनाने में नई तकनीकी प्रगति, सोया के पोषण और सेहत के फायदे और सोया से जुड़े नए बिजनेस के मौकों पर विचार किया जाएगा। भारत की बड़ी सोया उत्पादक कंपनियों, जैसे यूएस सोयाबीन एक्सपोर्ट काउंसिल, सोनिक बायोकेम, विपी सोय पतंजलि फूड्स, मेरिको, सॉलिनडारिडा, सेवर, पीसीके, सीएसके फूडटेक, और बायो-र्यूटिंट्स इस कार्यक्रम में भाग ले रही हैं। इस कार्यक्रम में भारत और अमेरिका के वक्ता और प्रतिभागी शामिल होंगे।

एसएफपीडब्ल्यूए के चेयरमैन डॉ. सुरेश इतापू, यूएस सोयाबीन एक्सपोर्ट काउंसिल के रीजनल डायरेक्टर श्री केविन रॉयफ, एसएफपीडब्ल्यूए के मुख्य संरक्षक श्री गिरीश मल्लानी, और पतंजलि फूड्स के सीईओ श्री संजीव अस्थाना इस कॉन्फ्रेंस का उद्घाटन करेंगे। 25 से अधिक वक्ता सोयाबीन को ह्यूमन फूड के रूप में उपयोग से जुड़े विभिन्न मुद्दों और सोया खाद्य व्यवसायों की संभावनाओं पर चर्चा करेंगे। सोयाबीन एक बहुत सस्टेनेबल प्रोटीन वाली फसल है, जो खराब मौसम में भी अच्छी तरह उग जाती है और पर्यावरण को कम नुकसान पहुँचाती है। आजकल के प्रोटीन उत्पादन को बनाए रखने से जमीन, पानी और फॉसिल फ्यूल जैसे संसाधनों पर दबाव बढ़ सकता है। सोयाबीन का उत्पादन अधिक अच्छा और पर्यावरण के लिए टिकाऊ माना जाता है, क्योंकि इसमें उच्च गुणवत्ता का प्रोटीन होता है और यह बहुत पोषिक भी है। इसके साथ ही, सोयाबीन के उत्पादन में जमीन, पानी और ऊर्जा का उपयोग भी कम होता है।

400 वर्ग फीट कमरे में ऐसी कौन सी खेती कर डाली अब 50 लाख सालाना की कमाई

नई दिल्ली, एजेंसी। नागपुर के एक कपल ने कमाल कर दिखाया है। अक्षय होले और दिव्या लोहाकरे होले ने एक ऐसा काम किया है, जो सुनने में नामुमकिन लगता है। उन्होंने नागपुर जैसे शहर में केसर की खेती की है। यह शहर भीषण गर्मी के लिए जाना जाता है। उन्होंने न केवल केसर उगाया है, बल्कि इसे एक लाभदायक व्यवसाय भी बना दिया है। वे एक छोटे से 400 वर्ग फीट के कमरे में बिना मिट्टी और पानी के दुनिया का सबसे महंगा मसाला उगा रहे हैं। उन्होंने एरोपोनिक तकनीक का इस्तेमाल करके कश्मीर की टंडी और धुंधली परिस्थितियों को बनाया है। इससे वे सालाना 50 लाख रुपये कमा रहे हैं। अक्षय बीबीए ग्रेजुएट हैं और दिव्या बैंकर। दोनों ने 2020 में यह सफर शुरू किया था। उनका टारगेट था कि भारत में केसर की मांग को पूरा किया जाए क्योंकि यहाँ इसका उत्पादन



कम होता है। आइए, यहाँ अक्षय होले और दिव्या लोहाकरे होले की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।
किसानों से खेती के बारे में सीखा-
अक्षय और दिव्या ने केसर की खेती करने का फैसला इसलिए किया क्योंकि यह महंगा होता है। इसकी मांग भी बहुत ज्यादा है। लेकिन, भारत में इसका

- पिछले दो सालों में बंपर कमाई- अक्षय और दिव्या ने 350 किलो बीज में निवेश किया। अगली फसल में उन्हें लगभग 1,600 ग्राम केसर मिला। इससे उत्पादित होकर उन्होंने अपने काम को और बढ़ाया। उन्होंने हिंगना में 400 वर्ग फीट की एक यूनिट स्थापित की। इसके साथ ही उन्होंने 480 वर्ग मीटर की एक और यूनिट भी लगाई। दोनों की मेहनत रंग लाई। पिछले दो सालों में उनकी कमाई 40 से 50 लाख रुपये के बीच रही है। उन्होंने 150 लोगों को ट्रेनिंग दी है। उनमें से 29 लोगों ने अपनी केसर यूनिटें लगाई हैं। अक्षय और दिव्या ट्रेनिंग के लिए 15,000 रुपये लेते हैं।
- बनाया सफल बिजनेस मॉडल- पिछले साल पति-पत्नी की यूनिट और पार्टनर यूनिटों को मिलाकर 45 किलो केसर का उत्पादन हुआ था। 100 वर्ग फीट की यूनिट लगाने में लगभग 10 लाख रुपये का खर्च आता है। इससे सालाना 5 लाख रुपये की कमाई हो सकती है। यह एक बार का निवेश है। बीज सिर्फ एक बार खरीदना होता है। एक बीज से तीन से पांच फूल निकलते हैं। प्रत्येक फूल में तीन केसर के धागे होते हैं। अक्षय और दिव्या इच्छुक किसानों को केसर की यूनिट लगाने में मदद करते हैं। वे इन किसानों से केसर खरीदते हैं और उसे पैक करके बेचते हैं। इससे उन्होंने एक अच्छा बिजनेस मॉडल बनाया है।

1200 रुपये तक जा सकता है टाटा का यह शेयर, एक्सपर्ट बोले- खरीदो शेयर



प्राइडक्ट्स के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 1247.75 रुपये है। वहीं, कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 884 रुपये है।

बाय रेटिंग के साथ 1200 रुपये का टारगेट प्राइस

इंटरनेशनल ब्रोकरेज हाउस गोल्डमैन सैक्स ने टाटा कंज्यूमर प्राइडक्ट्स लिमिटेड के शेयरों को खरीदने की सलाह दी है। ब्रोकरेज हाउस ने कंपनी के शेयरों को बाय रेटिंग दी है। गोल्डमैन सैक्स ने पहले कंपनी के शेयरों को न्यूट्रल रेटिंग दी थी। ब्रोकरेज हाउस ने टाटा कंज्यूमर प्राइडक्ट्स के शेयरों का टारगेट प्राइस रिवाइज करके 1200 रुपये कर दिया है। गोल्डमैन सैक्स ने पहले कंपनी के शेयरों के लिए 1040 रुपये का टारगेट दिया था। मंगलवार के क्लोजिंग लेवल के मुकाबले टाटा कंज्यूमर प्राइडक्ट्स के शेयरों में 21 पैसे का उछाल आ सकता है।
पांच साल में 300 प्रतिशत से ज्यादा चढ़ गए हैं कंपनी के शेयर- टाटा कंज्यूमर प्राइडक्ट्स लिमिटेड के शेयर पिछले पांच साल में 300 पैसे से अधिक उछल गए हैं। टाटा ग्रुप की इस कंपनी के शेयर 3 अप्रैल 2020 को 263.97 रुपये पर थे। कंपनी के शेयर 2 अप्रैल 2025 को 1073.55 रुपये पर जा पहुंचे हैं।

आईपीएल में आज मुंबई और लखनऊ के बीच रोमांचक मुकाबले के आसार

लखनऊ (एजेन्सी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में शुक्रवार को लखनऊ सुपर जाइंट्स अपने घरेलू मैदान पर मुंबई इंडियंस का मुकाबला करेगी। इस मैच में सुपर जाइंट्स का लक्ष्य जीत हासिल कर वापसी करना होगा। अब तक हुए तीन मैचों में से उसे दो मुकाबलों में हार मिली है। पिछले मैच में उसे पंजाब किंग्स से हार का सामना करना पड़ा था। टीम के कप्तान ऋषभ पंत पर भी सभी की नज़रें रहेंगी। आईपीएल इतिहास के सबसे महाने खिलाड़ी होने बाद भी ऋषभ अभी तक रन नहीं बना पाये हैं। तीन मैचों को मिला भी दो तो भी उनके 30 से कम रन हैं। इस मैच में अगर लखनऊ को जीत दर्ज करनी है तो कप्तान को रन बनाने होंगे। वहीं दूसरी ओर मुंबई इंडियंस का सफर भी अब तक अच्छा नहीं रहा है। उसे भी केवल एक ही मैच में जीत मिली है। मुंबई के भी अनुभवी बल्लेबाज रोहित शर्मा का भी बल्ले अब तक खामोश है। ऐसे में वह भी इस मैच में अधिक से अधिक रन बनाने के इरादे से उतरेगा।

इस मैच में उतर रही दोनों ही टीमों की हालत तकरीबन एक ही है। मुंबई को अपने तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के नहीं होने का भी नुकसान हुआ है। बुमराह चोटिल होने के कारण इस आईपीएल सत्र से बाहर है। बुमराह की जगह बाएं हाथ के युवा तेज गेंदबाज अश्वनी कुमार ने पिछले मैच में कोलकाता नाइटराइडर्स के खिलाफ शानदार गेंदबाजी की थी जिससे मुंबई को राहत मिली है। अश्वनी कुमार ने इस मैच में 24 रन देकर 4 विकेट लिए थे। तेज गेंदबाज ने घरेलू क्रिकेट में केवल चार टी20 मैच खेलने के बाद मुंबई की ओर से आईपीएल में पदार्पण करते हुए अजिंक्य राणा, मनोप पांडे, रिंकू सिंह और आदि रसेल जैसे स्टार बल्लेबाजों के विकेट लिए थे।

मुंबई को अगर सुपर जाइंट्स के खिलाफ जीत दर्ज करनी है तो रोहित के अलावा अन्य बल्लेबाजों को भी रन बनाने होंगे। वहीं लखनऊ की टीम भी अपने गेंदबाजों के चोटिल होने से परेशान हैं मयंक यादव सहित उसके प्रमुख



गेंदबाज फिट नहीं होने के कारण बाहर हैं। शार्दूल के टीम से जुड़ने से हालांकि उसके राहत मिली है। वेस्टइंडीज के बल्लेबाज निकोलस पूरण के फार्म में आने से भी टीम को लाभ हुआ है। पूरण ने अब तक तीन मैचों में 189 रन बनाए हैं पर उन्हें कोई जोड़ीदारी नहीं मिली है। टीम को

आगर जीत दर्ज करनी है तो कप्तान ऋषभ के साथ ही अन्य सभी खिलाड़ियों को एकजुट होकर खेलना होगा। टीम के पास स्पिनर रवि बिश्नोई है पर वह भी अब तक प्रभाव नहीं रहे हैं। उन्हें भी इस मैच में अपना प्रदर्शन ठीक करना होगा।

दोनों ही टीमों इस प्रकार हैं

लखनऊ सुपर जाइंट्स - ऋषभ पंत (कप्तान और विकेटकीपर), अब्दुल समद, आकाश दीप, आकाश सिंह, अवेश खान, आदुष बदनो, मैथ्यू ब्रॉटज़्के, युवराज चौधरी, राजवर्धन हंगारेकर, हिमंत सिंह, शमर जोसेफ, आर्यन ज़ुयाल, अर्शिन कुलकर्णी, एडन मार्करम, मिशेल मार्श, डेविड मिलर, निकोलस पूरण, प्रिंस यादव, दिवेश राठौर, रवि बिश्नोई, शाहबाज अहमद, मणिमंगरन सिद्धार्थ, शार्दूल टाकूर, मयंक यादव।

मुंबई इंडियंस - हार्दिक पंड्या (कप्तान), अश्वनी कुमार, राज बावा, कॉबिन बोश, ट्रेट बोल्ड, जसप्रीत बुमरा, दीपक चाहर, विल जेम्स, बेवॉन जेम्स, रॉडन मिज, मुजीब उर रहमान, नमन धीर, विंग्स पुडूर, सत्यनारायण राजू, रयान रिकेलटन, मिशेल स्टैनर, कर्ण शर्मा, रोहित शर्मा, कुण्ठन श्रीजीत, अर्जुन तेंदुलकर, तिलक वर्मा, रिस टॉपले, सूर्यकुमार यादव।

टी20 क्रिकेट में कैसे बने बेहतर बल्लेबाज, साई सुदर्शन ने खोला राज

बेंगलुरु (एजेन्सी)। सलामी बल्लेबाज बी साई सुदर्शन का मानना है कि इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) में गुजरात टाइटन्स की तरफ से मुश्किल परिस्थितियों में बल्लेबाजी करने से उन्हें टी20 क्रिकेट में बेहतर बल्लेबाज बनने में मदद मिली। मुंबई के भी अग्रणी बल्लेबाज रोहित शर्मा का भी बल्ले अब तक खामोश है। ऐसे में वह भी इस मैच में अधिक से अधिक रन बनाने के इरादे से उतरेगा।

आईपीएल के वर्तमान सत्र में अभी तक 186 रन बनाने वाले सुदर्शन ने कहा, 'इन तीन वर्षों में मैंने बहुत कुछ सीखा है। मुझे लगता है कि इससे मुझे खेल को बेहतर ढंग से समझने में मदद मिली है और खेल की बुनियादी बातों को भी समझने में मदद मिली है।' इस बीच आरसीबी के मुख्य कोच एंड्री फ्लोवर ने



कर अपनी टीम को आठ विकेट से जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। सुदर्शन ने मैच के बाद संवाददाताओं से कहा, 'यह (आईपीएल में) मेरा चौथा साल है, इसलिए मुझे लगता है कि इससे मुझे काफी अनुभव मिला है। मुझे कुछ मुश्किल परिस्थितियों में बल्लेबाजी करने का मौका मिला। गुजरात टाइटन्स की तरफ से खेलते हुए नेट्स में मुझे काफी तेज गेंदबाजी का सामना करना पड़ा। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि सबसे मुश्किल चीज जिसने मेरे खेल को बेहतर बनाने में मदद की है या जिस तरह से मैंने अपनी टी20 बल्लेबाजी में सुधार किया है, वह खेल का समय है जो मुझे यहां मिला है और टाइटन्स के साथ मुझे अंतरराष्ट्रीय स्तर के गेंदबाजों के साथ

कहा कि पहले सात ओवरों में चार विकेट खाने से उनकी टीम के लिए परिस्थितियां मुश्किल हो गई थी। फ्लोवर ने कहा, 'हमने पावर प्ले में आक्रामक बल्लेबाजी की लेकिन इस बीच हमने कुछ महत्वपूर्ण विकेट गंवाए। इससे मैच का पाना पलट गया। अगर आप पावर प्ले में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाते हैं तो इससे आपके लिए परिस्थितियां मुश्किल हो जाती हैं।'

पिच को लेकर सत्र से पहले ही क्यूरेटर को बताएं फैंचाइजी : बीसीसीआई

-बीच सत्र में बदलाव संभव नहीं

मुंबई (एजेन्सी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने सभी फैंचाइजियों से कहा है कि वे पिच को लेकर जो भी बातें कहनी हैं वह सत्र से पहले ही क्यूरेटर को बता दें। सत्र के बीच में इस बारे में कुछ न कहें। बोर्ड ने ये बात हाल ही में आये उस बयान के बाद कही है जिसमें लखनऊ सुपरजायंट्स के मुख्य कोच जहीर खान ने कहा था कि पिच घरेलू हालातों के अनुसार नहीं बनी है। जहीर ने यह तर्क कहा था कि इस पिच को देखकर ऐसा लगा जैसे पंजाब के किसी क्यूरेटर ने इसे तैयार किया हो। आईपीएल में अभी तक हुए मैचों में सुपरजायंट्स ही नहीं कई अन्य टीमों ने भी पिच पर सवाल उठाये हैं। इन टीमों का कहना था कि उन्हें घरेलू मैदान का लाभ नहीं मिला था।

बोर्ड के बयान से साफ है कि बीसीसीआई आईपीएल



मैचों को पिच को लेकर संतुष्ट है और उसे इनसे कोई परेशानी नहीं है। बोर्ड की एक रिपोर्ट में बताया है कि फैंचाइजी पिच को लेकर अपनी जरूरतों के बारे में पहले से बताये क्योंकि किसी भी प्रकार का बदलाव एक ही सप्ताह में नहीं हो सकता। इसमें कहा गया है कि पिचें अबतक अच्छी रही हैं। वे ऐसी पिच की मांग कर सकते हैं

रामलला के दर्शन करने पहुंचे सूर्यकुमार यादव, हनुमानगढ़ी मंदिर में भी की पूजा

अयोध्या (एजेन्सी)। टीम इंडिया में टी-20 टीम के कप्तान और मुंबई इंडियंस के धाकड़ बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव ने गुरुवार को यहां श्रीरामजन्मभूमि में भव्य मंदिर में विराजमान रामलला के दर्शन किए। सूर्य कुमार यादव आईपीएल में लखनऊ के खिलाफ मुंबई इंडियंस टीम का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। लखनऊ और मुंबई के बीच मैच शुक्रवार को इकाना स्टेडियम पर खेला जाएगा।

मैच को पूर्व संध्या पर उन्होंने आज अपने परिवार के साथ प्रसिद्ध हनुमानगढ़ी मंदिर में दर्शन-पूजन किया और फिर



दिव्य और भव्य मंदिर में विराजमान रामलला का आशीर्वाद लिया। उनके साथ दीपक चाहर और करण शर्मा समेत मुंबई इंडियंस के अन्य खिलाड़ियों के अलावा प्रसिद्ध हनुमानगढ़ी के मुख्य पुजारी हेमंत दास थे।

इस अवसर पर उन्होंने अनौपचारिक बातचीत में कहा कि अयोध्या का विकास बहुत तेजी से हो रहा है और राम मंदिर के बनने से आसपास के जो भी जिले थे उनका भी विकास हो रहा है। मंदिर बहुत भव्य बना हुआ है। आईबी के निदेशक तनू देका ने भी प्रसिद्ध

बुमराह की वापसी को लेकर संशय बरकरार



मुंबई। भारतीय टीम इंडिया के स्टार गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की खेल में वापसी को लेकर संशय बना हुआ है। बुमराह चोटिल होने के कारण ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद से ही टीम से बाहर है। इसी कारण वह वैपियंस टॉफी भी नहीं खेल पाये। अब उनके इंग्लैंड के खिलाफ जून में होने वाली टेस्ट सीरीज से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी की संभावनाएं हैं। फिट नहीं होने के कारण ही वह आईपीएल से भी बाहर हैं। उनके अप्रैल के पहले सप्ताह तक पूरी तरह ठीक होनी की उम्मीद थी पर अब इसकी संभावना नहीं है। ऐसे में उनके प्रशंसकों को अभी और इंतजार करना पड़ सकता है क्योंकि भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की मेडिकल टीम उनकी वापसी को लेकर किसी प्रकार की जल्दबाजी नहीं कराना चाहती। मेडिकल टीम नहीं चाहती कि मैदान पर वापसी के बाद उनके फिर चोटिल होने का खतरा हो। वहीं सकारात्मक बात ये है कि बुमराह ने नेट पर गेंदबाजी शुरू कर दी है पर अभी वह पूरी ताकत और क्षमता से गेंद नहीं फेंक रहे हैं। सेंटर ऑफ एक्सिलेंस में बीसीसीआई की मेडिकल टीम उनकी गिनगानी कर रही है। टीम उनकी क्रिकेट के मैदान पर वापसी को लेकर किसी भी तरह की जल्दबाजी के पक्ष में नहीं है क्योंकि इन्होंने जोरिजम हो सकता है। इससे वह स्ट्रेस फ्रैक्चर का शिकार हो सकते हैं। मेडिकल टीम का मानना है कि बुमराह को 100 प्रतिशत फिट होने पर ही वापसी करनी चाहिये। वहीं एक अन्य रिपोर्ट के अनुसार बुमराह की चोट थोड़ी ज्यादा गंभीर है। मेडिकल टीम ये पक्का करना चाहती है कि वह फिर स्ट्रेस फ्रैक्चर का शिकार न हों। बुमराह स्वयं भी इस मामले में सावधानी रख रहे हैं।

आईपीएल : करोड़ों की रकम मिली पर अब तक फ्लाप रहे ये क्रिकेटर

नई दिल्ली (एजेन्सी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के इस सत्र में ऋषभ पंत, वेंकटेश अय्यर सहित पांच स्टार खिलाड़ी करोड़ों की रकम पाने के बाद भी अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं। इस सत्र के लिए हुई मेगा निलामी में इन 5 खिलाड़ियों को 13 या इससे ज्यादा रुपये मिले पर इनका प्रदर्शन उसके करीब भी नहीं रहा।

ऋषभ पंत: आईपीएल नीलामी में लखनऊ सुपर जायंट्स ने टूर्नामेंट के इतिहास की सबसे बड़ी बोली 27 करोड़ रुपये लगाकर ऋषभ पंत को अपने साथ जोड़ा और कप्तान भी बनाया पर वह तीन मैचों में अब तक सिर्फ 17 रन बना पाए हैं। पहले मैच में वह खता भी नहीं खोल पाये जबकि दूसरे में 15 और तीसरे में केवलस 2 रन उन्होंने बनाए हैं। कप्तान के तौर पर वे तीन में से दो मैच हारे हैं। एक एक मैच ही वह जीत पाये हैं।

वेंकटेश अय्यर: कोलकाता नाइट



राइडर्स ने वेंकटेश अय्यर को 23.75 करोड़ रुपये में खरीदा था पर तीन मैचों की दो पारियों में वे केवल 19 रन बना पाए हैं। पहले मैच में 6 रन, दूसरे में बल्लेबाजी का अवसर नहीं मिला और तीसरे में 3 रन बनाए हैं।

रोहित शर्मा: मुंबई इंडियंस के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा को इस सत्र के लिए मेगा ऑक्शन के पहले रिटर्न के तौर पर 16 करोड़ 30 लाख रुपये मिले। हालांकि, उनका प्रदर्शन बहुत ही खराब रहा है। पहले मैच में

शुभ, दूसरे मैच में 8 रन और तीसरे मैच में केवल 13 रन उनके नाम हैं। वे कुल 21 रन तीन मैचों में बना पाए हैं।

रिंकू सिंह: रिंकू सिंह अभी तक आईपीएल में सिर्फ लाखों रुपये में खेले थे पहली बार उन्हें आईपीएल 2025 के रिटर्न में केकेआर ने 13 करोड़ रुपये में बनाये रखा। रिंकू हालांकि इसके हिसाब से प्रदर्शन नहीं कर पाये। वह 3 मैचों की 2 पारियों में 29 रन बना सकते हैं। एक मैच में उन्होंने 12 और एक मैच में 17 रन बनाए हैं।

यशस्वी जायसवाल: यशस्वी जायसवाल को राजस्थान रॉयल्स ने 18 करोड़ रुपये में रिटर्न किया था। हालांकि, आईपीएल 2025 के तीन मैचों में उन्होंने सिर्फ 34 रन ही बनाए हैं। पहले मैच में वे सिर्फ 1 रन बना पाए थे। दूसरे मैच में जरूर 29 बनाए, लेकिन अगले मैच में फिर से 4 रन पर आउट हो गए।

नितीश रेड्डी बोले- 295 ट्वंटी- 20 विकेट लेने वाले इस गेंदबाज को पीटने का है इरादा

नई दिल्ली - सनराइजर्स हैदराबाद के ऑलराउंडर नितीश कुमार रेड्डी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 सीजन में अपने भारतीय साथी जसप्रीत बुमराह के साथ मुकाबला करने के लिए उत्साहित हैं। रेड्डी और बुमराह इस साल की शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 5 टेस्ट मैचों की बोर्डर-गावस्कर ट्रॉफी सीरीज में एक साथ खेले थे। 21 वर्षीय जो अब अंतरराष्ट्रीय अनुभव का दावा करता है, प्रीमियर लीग के खिलाफ रन बनाने के बारे में सोच रहा है, जो वर्तमान में पीट के निचले हिस्से की चोट के लिए बेंगलुरु में बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सिलेंस (पूर्व में राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी) में रिहैब से गुजर रहा है। बुमराह दुबई में भारत के खिताब जीतने वाले वैपियंस ट्रॉफी अभियान से कुछ एक थे, लेकिन आईपीएल में किसी समय उनकी वापसी होने की उम्मीद है। सनराइजर्स हैदराबाद और मुंबई इंडियंस के बीच मुकाबला 17 अप्रैल को मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेला जाएगा है। रेड्डी ने जियो हॉटस्टार के शो जेन बॉल्ड पर कहा कि मैं इस चुनौती के लिए आभारी हूँ। वह इस समय दुनिया के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजों में से एक हैं और उनका सामना करना एक रोमांचक मुकाबला होगा। अगर मैं उनके खिलाफ कुछ रन बनाने में कामयाब हो जाता हूँ, तो मुझे बहुत खुशी होगी। बुमराह जैसे शीर्ष गेंदबाजों के खिलाफ प्रतिस्पर्धा करना ही खेल को रोमांचक बनाता है। उन्होंने कहा कि भारतीय क्रिकेट की इस पीढ़ी को विराट कोहली, रोहित शर्मा और अन्य दिग्गजों ने आकार दिया है। उन्होंने भारतीय क्रिकेट को नई ऊचाइयों पर पहुंचाया है और हम उनकी विरासत को आगे ले जाने की आकांक्षा रखते हैं। जसप्रीत, रोहित और विराट जैसे खिलाड़ी वास्तव में भारतीय क्रिकेट के लिए स्वर्णिम सपति हैं। एमएन देवधनी, कोहली और रोहित से सीखे जाने वाले किसी एक कोशल के बारे में रेड्डी ने कहा कि धोनी से मैं उनकी कप्तानी कोशल सीखना चाहूँ। कोहली से मैं उनकी आक्रामकता और खेल के प्रति जुनून की प्रशंसा करता हूँ और रोहित से मैं उनके पुल शॉट में महारत हासिल करना चाहूँगा - यह बेहतर तरीके हैं।



कैरम बॉल पर पिछले 3-4 वर्षों से काम कर रहा था: साई किशोर



बेंगलुरु (एजेन्सी)। गुजरात टाइटन्स के स्पिनर आर साई किशोर इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) के वर्तमान सत्र में अपनी कैरम बॉल से बल्लेबाजों को गच्चा देने के लिए तैयार हैं जिस पर वह पिछले तीन-चार वर्षों से काम कर रहे थे।

किशोर ने बुधवार को यहां गुजरात टाइटन्स की रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ आसान जीत के दौरान अपनी कैरम बॉल से ऋणाल पांड्या को हैरान कर दिया था। इस 28 वर्षीय स्पिनर ने मैच के बाद खुलासा किया कि वह पिछले कुछ सत्र से कैरम बॉल पर काम कर रहे थे लेकिन उन्होंने किसी भी तरह के मैच में अभी तक इसका उपयोग नहीं किया था।

किशोर ने आधिकारिक प्रसारक से कहा, 'टी20 क्रिकेट में प्रासंगिक बने रहने के लिए आपको हमेशा अपने खेल में कुछ नया जोड़ना होगा। मैं पिछले तीन-चार वर्षों से इसका अभ्यास कर रहा था लेकिन मैंने कभी भी इसका उपयोग नहीं किया था।' उन्होंने कहा, 'मैं आईपीएल में इसका उपयोग करने को लेकर आश्चर्य था और मैंने खुद पर भरोसा बनाए रखा।'

गौर हो कि आईपीएल 2025 में शानदार प्रदर्शन करने वाली रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को आखिरकार हार का स्वाद चखना पड़ा है। घरेलू मैदान पर पहला ही मुकाबला खेल रही आरसीबी को गुजरात टाइटन्स ने जोस बटलर के 73 रनों की

बदौलत 8 विकेट से हरा दिया। गुजरात टाइटन्स ने टॉस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण का फैसला किया था। 42 रन पर चार विकेट गिरने के बाद लिविंगस्टन ने 40 गेंदों पर 54, जितेश शर्मा ने 33 तो टिम डेविड ने 18 गेंदों पर 32 रन बनाकर स्कोर 169 तक पहुंचा दिया।

जवाब में खेलते उररी गुजरात ने साई सुदर्शन के 49 तो जोस बटलर के 39 गेंदों पर 73 रनों की बदौलत 18वें ओवर में ही 8 विकेट से जीत हासिल कर ली। गुजरात इसी के साथ तीन मैचों में दो जीत के साथ अंक तालिका में चौथे स्थान पर आ गया है। पहले पर पंजाब किंग्स बनी हुई है।

बदौलत 8 विकेट से हरा दिया। गुजरात टाइटन्स ने टॉस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण का फैसला किया था। 42 रन पर चार विकेट गिरने के बाद लिविंगस्टन ने 40 गेंदों पर 54, जितेश शर्मा ने 33 तो टिम डेविड ने 18 गेंदों पर 32 रन बनाकर स्कोर 169 तक पहुंचा दिया। जवाब में खेलते उररी गुजरात ने साई सुदर्शन के 49 तो जोस बटलर के 39 गेंदों पर 73 रनों की बदौलत 18वें ओवर में ही 8 विकेट से जीत हासिल कर ली। गुजरात इसी के साथ तीन मैचों में दो जीत के साथ अंक तालिका में चौथे स्थान पर आ गया है। पहले पर पंजाब किंग्स बनी हुई है।

भुवनेश्वर कुमार ने बेंगलुरु में रचा इतिहास, आईपीएल में ड्वेन ब्रावो की बराबरी की



बेंगलुरु (एजेन्सी)। अनुभवी तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार ने अपना नाम इतिहास की किताब में दर्ज करा लिया है और मौजूदा इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 में गुजरात टाइटन्स के खिलाफ रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए अपने शानदार स्पेल के बाद तेज गेंदबाजों में संयुक्त रूप से सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज के रूप में स्टेडियम छोड़े। पूर्व कैरिबियाई स्तर ने 161 मैचों में 183 विकेट लिए जबकि भुवनेश्वर ने 178 मैचों में यह उपलब्धि हासिल की।

कुल मिलाकर वह कैश-रिच लीग में सर्वाधिक विकेट लेने वालों की सूची में तीसरे स्थान पर हैं। उनके टैली से केवल युजवेंद्र चहल (206) और पेंगु चवला (192) बेहतर हैं। भुवनेश्वर ने अपने कौशल से परेशा किया और इसे पूर्णता के साथ निष्पादित किया। उन्होंने अपनी ताकत का फायदा उठाया और मेजबान टीम के लिए एक स्या फूला पाया। पूर्व कैरिबियाई स्तर ने 161 मैचों में 183 विकेट लिए जबकि भुवनेश्वर ने 178 मैचों में यह उपलब्धि हासिल की।

हासिल की और 1/23 के आंकड़े के साथ लौटे।

भले ही उनके शुरुआती प्रयास व्यर्थ गए लेकिन भुवनेश्वर ने रिफाई बुक को फिर से लिखने के लिए पर्याप्त प्रयाव डाला। उन्होंने ड्वेन ब्रावो के 183 स्केलप के टैली की बराबरी करने के बाद तेज गेंदबाजों में संयुक्त रूप से सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज के रूप में स्टेडियम छोड़े। पूर्व कैरिबियाई स्तर ने 161 मैचों में 183 विकेट लिए जबकि भुवनेश्वर ने 178 मैचों में यह उपलब्धि हासिल की।

आरसीबी की हार का कारण बने उसके ही पुराने गेंदबाज सिराज

बेंगलुरु। तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज के शानदार प्रदर्शन से गुजरात टाइटन्स ने आईपीएल के 18 वें सत्र में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को 8 विकेट से हरा दिया। सिराज पिछले सत्र में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की टीम में शामिल थे



पर इस बार वह गुजरात की ओर से खेल रहे हैं। ऐसे में उन्हें इस बार रिटर्न न कर आरसीबी पछता रही होगी। इस मैच में सिराज के सामने आरसीबी के गेंदबाज टिक नहीं पाये। सिराज ने बहुत ही कसी हुई गेंदबाजी की और आरसीबी के 3 बड़ विकेट लिए। उन्होंने 4 ओवर में केवल 19 रन देकर 3 विकेट हासिल किए। इसी कारण उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच का अवार्ड भी मिला। वहीं पिछले सत्र में जब गुजरात और आरसीबी का पहला मुकाबला हुआ था तब भी सिराज ही प्लेयर ऑफ द मैच थे पर उस समय वह गुजरात की ओर से खेल रहे थे। आरसीबी ने इस बार सिराज को रिलीज कर दिया था। इसके बाद हुई नीलामी में टाइटन्स ने उन्हें 12.5 करोड़ की बोली लगाकर उन्हें खरीदा था। इस बार मैच में आरसीबी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 8 विकेट के नुकसान पर 169 रन बनाए। वहीं गुजरात ने जोस बटलर और साई सुदर्शन की विस्फोटक पारियों की सहायता से 18वें ओवर में ही 8 विकेट से मैच जीत लिया।

ईशान को इस बार भी बीसीसीआई अनुबंध मिलने की संभावना नहीं : रिपोर्ट



मुंबई। पिछले काफी समय से भारतीय क्रिकेट टीम से बाहर चल रहे ईशान किशन आजकल आईपीएल खेल रहे हैं। ईशान का इसमें अब तक का प्रदर्शन मिलाजुला रहा है। पहले ही मैच में उन्होंने शतक लगाया जो कोई मैच में वह रन नहीं बना पाये। वहीं भारतीय क्रिकेट बोर्ड आने समय में केन्द्रीय अनुबंध देने जा रहा है। इसमें इस बार भी ईशान को अवसर मिलने की संभावना नहीं है। ईशान को घरेलू क्रिकेट नहीं खेलने के कारण पिछले बार भी अनुबंध नहीं मिला था। ईशान के अलावा श्रेयस अय्यर को भी पिछले साल अनुबंध नहीं मिला था पर इस बार जहां श्रेयस की वापसी तय है, वहीं ईशान को अभी इंतजार करना होगा। श्रेयस ने बीसीसीआई की फटकार के बाद घरेलू क्रिकेट खेल लिया था और इससे उनकी भारतीय टीम में भी वापसी हो गयी थी। अभी श्रेयस आईपीएल में भी काफी अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। वहीं बीसीसीआई अनुबंध सूची अभी जारी नहीं हुई है पर कहा जा रहा है कि विराट कोहली और रोहित शर्मा को इसमें ए प्लस में ही बनाये रखा जाएगा। रिपोर्ट के अनुसार बीसीसीआई श्रेयस को अपना अनुबंध वापस दे सकती है। दूसरी ओर ईशान को अनुबंध वापस पाने के लिए अभी इंतजार करना पड़ सकता है। किशन ने नवंबर 2023 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 मैच में आखिरी बार भारतीय टीम की ओर से खेला था। ईशान बोर्ड की फटकार के बाद घरेलू क्रिकेट खेलने लगे है पर अभी तक उनका प्रदर्शन ऐसा नहीं हुआ है कि उन्हें जगह मिल सके।

स्टोक्स के चोटिल होने से इंग्लैंड टीम को लगा झटका

लंदन। इंग्लैंड टेस्ट क्रिकेट टीम के कप्तान बेन स्टोक्स चोटिल हो गये हैं। इससे इंग्लैंड की टीम का कराटा झटका लगा है क्योंकि उसे भारत के खिलाफ जून में टेस्ट सीरीज खेलनी है जिसके लिए उसे तैयारी करनी है। स्टोक्स हेमस्ट्रिंग की इस चोट के कारण डरहम के काउंटी चैंपियनशिप से बाहर हो गए हैं। वह हालांकि हेमस्ट्रिंग सर्जरी से उबर रहे हैं। मुख्य कोच रयान केपेबल को हालांकि भरोसा है कि वह भारतीय टीम के दौरे तक उबर जायेंगे। स्टोक्स छह महीने में दूसरी बार हेमस्ट्रिंग से जूझ रहे हैं। इससे पहले न्यूजीलैंड में इंग्लैंड के अंतिम टेस्ट के दौरान भी वह चोटिल हो गए थे, तब से लेकर स्टोक्स ने कोई मैच नहीं खेला है। एक रिपोर्ट के अनुसार स्टोक्स शुक्रवार से शुरू हो रही काउंटी चैंपियनशिप में नहीं खेल पायेंगे। उनके अलावा चैंपियंस ट्रॉफी से बाहर होने के बाद डरहम और इंग्लैंड के उनके साथी खिलाड़ी ब्रायन कार्स भी नहीं खेलेंगे। वह भी पेर की अंगुली की चोट से उबर रहे हैं जिसके कारण वह भी पिछले महीने चैंपियंस ट्रॉफी से बाहर हो गए थे। मुख्य कोच ने कहा, 'वे फिलहाल गंभीर चोटों से उबर रहे हैं। हालांकि उन्हें टेस्ट मैचों के शुरू होने से पहले अपने आप को फिट रखना होगा। इंग्लैंड को 22 मैचों को ट्रेट ब्रिज में जिम्बाब्वे के खिलाफ शुरू होगा, उसके बाद भारत के खिलाफ 5 मैचों की सीरीज होगी। ऑस्ट्रेलिया के एशेज दौरे के देखते हुए स्टोक्स आठ महीनों में 11 टेस्ट को खेलने के लिए अपनी वापसी को जरूरी मानते हैं। ऑलराउंडर स्टोक्स ने डरहम में अपनी रिकवरी जारी रखते हुए फिर से प्रशिक्षण शुरू कर दिया है। दस दिन पहले ही उन्होंने सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट को साझा किया था जिसमें वह नेट अभ्यास में गेंदबाजी करते दिख रहे थे।



स्वस्थता के लिए बेहद लाभदायक है नींबू पानी

नींबू पानी को अगर देशी कोल्ड्रिंक कहा जाए, तो इसमें कुछ गलत नहीं होगा। प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट, विटामिन और मिनरल्स से भरपूर यह पेय स्वस्थता और सौंदर्य से जुड़े इतने फायदे देता है, जितने आप सोच भी नहीं सकते। जानिए नींबू पानी के कुछ ऐसे ही फायदे जो आपकी स्वस्थता के लिए बेहद लाभदायक हैं -

नींबू विटामिन सी का बेहतर स्रोत है। साथ ही, इसमें विभिन्न विटामिन्स जैसे थियामिन, रिबोफ्लोविन, नियासिन, विटामिन बी-6, फोलेट और विटामिन-ई की थोड़ी मात्रा मौजूद रहती है। यह खराब गले, कब्ज, किडनी और मसूड़ों की समस्याओं में राहत पहुंचाता है। साथ ही ब्लड प्रेशर और तनाव को कम करता है। त्वचा को स्वस्थ बनाने के साथ ही लिवर के लिए भी यह बेहतर होता है। पाचन क्रिया, वजन संतुलित करने और कई तरह के कैंसर से बचाव करने में नींबू पानी मददगार होता है। नींबू पानी में कई तरह के मिनरल्स जैसे आयरन, मैग्नीशियम, फास्फोरस, कैल्शियम, पोटेशियम और जिंक पाए जाते हैं।

किडनी स्टोन

नींबू पानी का स्वास्थ्य पर पड़ने वाला सबसे महत्वपूर्ण फायदा है, इसका किडनी स्टोन से राहत पहुंचाना। मुख्य रूप से किडनी स्टोन शरीर से बिना किसी परेशानी के निकल जाता है, लेकिन कुछ मामलों में यह यूरिन के बहाव को ब्लॉक कर देते हैं जो अत्यधिक पीड़ा का कारण बनता है। नींबू पानी पीने से शरीर को रिहाइड्रेट होने में मदद मिलती है और यह यूरिन को पतला रखने में मदद करता है। साथ ही यह किडनी स्टोन बनने के किसी भी तरह के खतरे को कम करता है।

डायबिटीज

नींबू पानी, हाई शुगर वाले जूस व ड्रिंक का बेहतर विकल्प माना जाता है। खासतौर से उनके लिए जो

डायबिटीज के मरीज हैं या वजन कम करना चाहते हैं। यह शुगर को गंभीर स्तर तक पहुंचाए बिना शरीर को रिहाइड्रेट व एनर्जाइज करता है।

पाचनक्रिया में फायदेमंद

नींबू पानी में मौजूद नींबू का रस हाइड्रोक्लोरिक एसिड और पित्त सिक्रेशन के प्रोडक्शन में वृद्धि करता है, जो पाचन के लिए आवश्यक है। साथ ही यह एसिडिटी और गठिया के खतरे को भी कम करता है। जो लोग आमतौर पर पाचन-संबंधी समस्याओं जैसे एबडॉमिनल क्रैम्प, ब्लॉटिंग, जलन और गैस की समस्या आदि से परेशान होते हैं, उन्हें नियमित रूप से नींबू पानी का सेवन करना चाहिए।

कब्ज

अगर आपको कब्ज की समस्या है, तो नींबू पानी आपके लिए बेहद फायदेमंद है। प्रतिदिन सुबह गर्म नींबू पानी पिएं और पूरे दिन कब्ज की समस्या से दूर रहें।

इम्यून सिस्टम

नींबू पानी बायोफ्लेवोनॉयड, विटामिन सी और फाइटोन्यूट्रियंट्स का बेहतर स्रोत है जो शरीर की प्रतिरोधक क्षमता की शक्ति बढ़ाने में मदद करता है। इसमें मौजूद आवश्यक विटामिन्स और मिनरल्स के कारण यह शरीर के एनर्जी लेवल को बढ़ाने में मदद करता है।

खराब गला

नींबू पानी को गुनगुना करके पीने से गले की खराबी या फेरिन्जाइटिस में आराम पहुंचाता है।

वजन

हर सुबह शहद के साथ गुनगुना नींबू पानी पीने से अतिरिक्त वजन आसानी से कम किया जा सकता है।

मसूड़ों की समस्या

नींबू पानी पीने से मसूड़ों से संबंधित समस्याओं से राहत मिलती है। नींबू पानी में एक चुटकी नमक मिलाकर पीने से बेहतर परिणाम मिलते हैं।

कैसे पहचानें कि इम्यून सिस्टम है कमजोर

अगर आपको लगता है कि आप बार-बार बीमार हो रहे हैं और जुकाम की शिकायत रहती है। बार-बार सर्दी हो जाना और यदि आपके आस-पास ऐसा कोई व्यक्ति है जिसे खांसी है और आपको भी इससे जल्दी खांसी या सर्दी हो जाती है तो आपका इम्यून सिस्टम कमजोर है। बदलते मौसम का आपको बीमार करना आपके कमजोर इम्यून सिस्टम को दर्शाता है। यदि आप मौसम के बदलने पर बीमार हो रहे हैं तो आपका इम्यून सिस्टम कमजोर है। व्यायाम करते समय सांसों का फूलना व जल्दी थक जाना यह कमजोर इम्यून सिस्टम की निशानी है। नींद न आना, आंखों के नीचे काले घेरे, थकान महसूस होना-यह भी कमजोर इम्यून सिस्टम की निशानी है। अगर आपको लगता है कि आप दूसरों की अपेक्षा बार-बार बीमार होते हैं, जुकाम की शिकायत रहती है, खांसी, गला खराब होना या स्किन रैशज जैसी समस्याएं रहती हैं तो बहुत पॉसिबल है कि यह आपके इम्यून सिस्टम की वजह से हो। कैंडिडा टेस्ट का पॉजिटिव होना, बार-बार यूटीआई, डायरिया, मसूड़ों में सूजन, मुंह में छाले वगैरह भी खराब इम्यूनिटी के लक्षण हैं।



आयुर्वेद के अनुसार तेज भूख लगने पर कभी खाली पेट न खाएं ये चीजें

कभी-कभी ऐसा होता है कि हमें बहुत तेज भूख लग जाती है और हम उस वक्त हमें जो भी उपलब्ध होता है, वो खाने लग जाते हैं लेकिन ऐसा करना आपके लिए घातक हो सकता है। आयुर्वेद के मुताबिक तेज भूख लगने पर कुछ ऐसी चीजें हैं, जिन्हें नहीं खाना चाहिए। आइए, जानते हैं कौन-सी हैं वो चीजें-

अमरुद

अमरुद एक ऐसा फल है, जिससे अलग-अलग स्थितियों में खाने पर अलग-अलग परिणाम देखने को मिलते हैं यानी अगर आप सर्दियों में सुबह के वक्त खाली पेट अमरुद खाएं, तो आपको पेट दर्द की शिकायत हो सकती है। वहीं, गर्मी में खाली पेट अमरुद खाएं, तो यह फायदा देता है। ऐसे में आपको खाली पेट अमरुद नहीं खाना चाहिए।

सेब

सर्दियों में खाली पेट सेब खाने से बीपी बढ़ सकता है, अगर सुबह सबसे पहले यानी बिना कुछ खाए आप सेब खा लेते हैं, तो इस

दिकत का सामना आपको करना पड़ सकता है लेकिन गर्मी में आप खाली पेट सेब खा सकते हैं।

टमाटर

टमाटर की तासीर गर्म होती है। इसे आप सर्दी के मौसम में तो खाली पेट खा सकते हैं लेकिन गर्मी के मौसम में ऐसा करने पर पेट में या सीने में जलन की समस्या हो सकती है। आपको सुबह के समय टमाटर खाने से परहेज करना चाहिए।

चाय-काँफी

चाय या काँफी को खाली पेट पीने से बचना चाहिए। आप चाय या काँफी को बिरिचट, ब्रेड के साथ ले सकते हैं लेकिन खाली पेट या तेज भूख लगने पर सिर्फ चाय-काँफी न लें, इससे आपके पेट में गैस बन सकती है।

दही

बहुत से लोग ऐसे होते हैं, जिन्हें दही फायदे की जगह पर हानि पहुंचा देती है ऐसे में दही को सुबह के समय खाली पेट खाने से बचना चाहिए, वरना आपकी सेहत बिगड़ सकती है।

अमृत है आंवला 10 बेहतराइन फायदे

विटामिन-सी से भरपूर आंवला, हर मौसम में लाभदायक होता है। यह आंखों, बालों और त्वचा के लिए तो फायदेमंद है ही, साथ ही इसके और भी कई फायदे हैं, जो आपके शरीर को स्वस्थ बनाए रखने में मदद करते हैं। आमतौर पर आंवले का प्रयोग अचार, मुरब्बा या चटनी के रूप में किया जाता है, लेकिन इसका अलग-अलग तरह से सेवन आपके लिए बेहद उपयोगी है। अगर आप नहीं जानते इस अनमोल फल के बारे में तो जरूर पढ़िए -

- डायबिटीज के मरीजों के लिए आंवला बहुत काम की चीज है। पींडित व्यक्ति अगर आंवले के रस का प्रतिदिन शहद के साथ सेवन करे तो बीमारी से राहत मिलती है।
- एसिडिटी की समस्या होने पर आंवला बेहद फायदेमंद होता है। आंवला का पाउडर, चीनी के साथ मिलाकर खाने या पानी में डालकर पीने से एसिडिटी से राहत मिलती है। इसके अलावा आंवले का जूस पीने से पेट की सारी समस्याओं से निजात मिलती है।
- पथरी की समस्या में भी आंवला कारगर उपाय साबित होता है। पथरी होने पर 40 दिन तक आंवले को सुखाकर उसका पाउडर बना लें, और उस पाउडर को प्रतिदिन मूली के रस में मिलाकर खाएं। इस प्रयोग से कुछ ही दिनों में पथरी गल जाएगी।
- रक्त में हीमोग्लोबिन की कमी होने पर, प्रतिदिन आंवले के रस का सेवन करना काफी लाभप्रद होता है। यह शरीर में लाल रक्त कोशिकाओं के निर्माण में सहायक होता है, और रक्त की कमी नहीं होने देता।
- आंखों के लिए आंवला अमृत समान है, यह आंखों की रोशनी को बढ़ाने में सहायक होता है। इसके लिए रोजाना एक चम्मच आंवला के पाउडर को शहद के साथ लेने से लाभ मिलता है और मोतियाबिंद की

- समस्या भी खत्म हो जाती है।
- बुखार से छुटकारा पाने के लिए आंवले के रस में छौंक लगाकर इसका सेवन करना चाहिए, इसके अलावा दांतों में दर्द और कैविटी होने पर आंवले के रस में थोड़ा सा कपूर मिला कर मसूड़ों पर लगाने से आराम मिलता है।
- शरीर में गर्मी बढ़ जाने पर आंवला सबसे बेहतर उपाय है। आंवले के रस का सेवन आंवले को किसी भी रूप में खाने पर यह ठंडक प्रदान करता है। हिचकी तथा उल्टी होने की पर आंवले के रस को मिश्री के साथ दिन में दो-तीन बार सेवन करने से काफी राहत मिलेगी।
- याददाश्त बढ़ाने में आंवला काफी फायदेमंद होता है। इसके लिए सुबह के समय आंवला के मुरब्बा गाय के दूध के साथ लेने से लाभ होता है, इसके अलावा आप प्रतिदिन आंवले के रस का प्रयोग भी कर सकते हैं।
- चेहरे के दाग-धब्बे हटाकर उसे खूबसूरत बनाने के लिए भी आंवला आपके लिए उपयोगी होता है। इसका पेस्ट बनाकर चेहरे पर लगाने से त्वचा साफ, चमकदार होती है और झुर्रियां भी कम हो जाती हैं।
- बालों को काला, घना और चमकदार बनाने के लिए आंवले का प्रयोग होता है, इसके पाउडर से बाल धोने या फिर इसका सेवन करने से बालों की समस्याओं से निजात मिलती है।

नाश्ते में इन पांच चीजों को खाने से तेजी से बढ़ता है वजन, ज्यादातर लोग करते हैं सेवन



फिटनेस पाने के लिए लोग क्या-क्या जतन करते हैं। कई सर्वे के अनुसार आप शरीर पर चर्बी होने के कारण कई बीमारियों का शिकार हो सकते हैं। ऐसे में आपको बैली फैट कम करने के साथ फिट रहने की कोशिश करनी चाहिए। खुद को फिट रखने में ब्रेकफॉस्ट का भी अहम रोल होता है, ऐसे में आपको अगर हमेशा स्लिम ट्रिम रहना है, तो ऐसी 5 चीजें हैं, जो आपको नाश्ते में बिल्कुल नहीं खानी चाहिए-

- वाइट ब्रेड - ब्रेड ज्यादातर भारतीय घरों में खाई जाती है लेकिन आपको बता दें कि ब्रेड का ज्यादा सेवन करना न सिर्फ आपकी सेहत को नुकसान पहुंचाता है बल्कि इससे आपका वजन भी बढ़ता है। ऐसे में कोशिश करें कि वाइट की जगह ब्राउन ब्रेड का सेवन करें।
- प्रोसेस्ड फूड - ऐसे खाद्य पदार्थों को कई बार पकने की क्रिया से गुजरना पड़ता है। साथ ही तेल, मसाले, घी होने की वजह से ये सेहत के लिए भी अच्छे नहीं होते। आपको चिप्स, पॉपकॉर्न, ड्राई फ्रूट्स, स्नेक्स आदि से दूर रहना चाहिए।
- केक, कुकीज - केक और कुकीज में मैदे के अलावा घी और क्रीम का इस्तेमाल होता है, जो आपको फिटनेस के हिसाब से बिल्कुल भी सही नहीं है इसलिए आपको नाश्ते में इन चीजों को नहीं खाना चाहिए।
- नूडल्स - नूडल्स खाने में तो बहुत अच्छे लगते हैं लेकिन इसे हेल्दी ब्रेकफॉस्ट नहीं माना जा सकता है, इसी वजह से आपको नूडल्स नाश्ते में बिल्कुल नहीं खाने चाहिए।
- फ्रूट जूस - आपको कोशिश करनी चाहिए कि मार्केट में उपलब्ध फ्रूट जूस बिल्कुल न पिएं बल्कि आप घर में ही फलों का जूस निकालकर पी सकते हैं। आपके पास अगर जूस की जगह फल खाने का समय है, तो नाश्ते के लिए सबसे बेहतराइन रहेगा।
- पकोड़े-कचौड़ी - सुबह-सुबह तली चीजें खाना बिल्कुल भी सही नहीं है। आप पकोड़े और कचौड़ी जैसी तली हुई चीजें सुबह नहीं खाएं, तो आपकी सेहत के लिए अच्छा रहेगा।

आंखों को थकान से राहत देगा गुलाब जल, कम होगा तनाव

वर्क के दौरान लैपटाप का ज्यादा इस्तेमाल न केवल आपके पूरे स्वास्थ्य पर असर डालता है बल्कि इसका असर आपकी नाजुक आंखों पर भी पड़ता है।



वर्क के दौरान लैपटाप का ज्यादा इस्तेमाल किया जा रहा है, वहीं इसी के साथ ही मोबाइल के संपर्क में भी हम ज्यादा रह रहे हैं जिससे आंखों में जलन, धुंधला दिखना व खुजली जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। इसलिए जरूरी है कि हम अपनी आंखों की देखभाल करें और जब भी आंखों पर दबाव महसूस करें तो स्क्रीन से दूर हो जाएं और बीच-बीच में आंखों को ठंडे पानी से भी धोते रहें। आंखों की जलन की परेशानी ज्यादा बढ़ जाती है। भले ही इस वक्त आप घर पर हैं लेकिन आंखों में जलन आप महसूस करते होंगे। इसलिए इन समस्याओं से निजात पाने के लिए आपको अपनी आंखों की सही देखभाल की जरूरत है, वहीं गुलाब जल का इस्तेमाल आपको आंखों की समस्या से निजात दिला सकता है। गुलाब जल के इस्तेमाल से आंखों को ठंडक मिलती है, साथ ही ताजगी महसूस होती है। ओवरटाइम काम करने के दौरान आंखों में तनाव महसूस होता है इसके लिए खुद को रिलेक्स करना बहुत जरूरी है। इसके लिए आप कॉन्टन में गुलाब जल डालें और इसे अपनी आंखों पर रखकर कुछ देर के लिए आंखों को आराम दें। गुलाब जल को आंखों में डालने से भी तुरंत राहत मिलती है, साथ ही फ्रेश महसूस होता है। अतः अपने आंखों का ध्यान रखें और समय-समय पर अपनी पलकों को झपकाते रहें।



इम्यून सिस्टम के मजबूत होने पर हम बीमारियों से लड़ सकते हैं। यदि हमारा इम्यून सिस्टम मजबूत है तो बीमारी हम पर हावी नहीं हो सकती। अगर हमारी इम्यूनिटी मजबूत है तो यह हमें न सिर्फ सर्दी और खांसी से बचाती है बल्कि हैपेटाइटिस, लंग इन्फेक्शन, किडनी इन्फेक्शन सहित और कई बीमारियों से हमारा बचाव होता है। लेकिन हमारा इम्यून सिस्टम कमजोर है तो हम इसको कैसे पहचान सकते हैं, क्योंकि कई बार यह होता है इम्यून सिस्टम कमजोर तो होता है, पर हम इसे समझ ही नहीं पाते। आखिर कैसे पहचान करें कि आपका इम्यून सिस्टम कमजोर है, आइए जानते हैं।



संक्षिप्त समाचार

अमेरिका के कैलिफोर्निया में ट्रांसजेंडर एथलीटों के महिला खेलों में भाग लेने पर प्रतिबंध लगाने वाला बिल खारिज
कैलिफोर्निया, एजेंसी। अमेरिकी राज्य कैलिफोर्निया ने ट्रांसजेंडर एथलीटों के महिला खेलों में भाग लेने पर बैन लगाने वाले बिल खारिज कर दिए हैं। इन बिल को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की रिपब्लिकन पार्टी के विधायकों ने पेश किया था। राज्य विधानसभा की आर्ट्स, एटर्नमेंट, स्पोर्ट्स और टूरिज्म समिति के डेमोक्रेटिक सदस्यों ने मंगलवार को रिपब्लिकन विधायकों के दो बिलों को लंबी बहस और चर्चा के बाद खारिज कर दिया। समिति के अध्यक्ष क्रिस वार्ड ने कहा कि ये बिल ट्रांसजेंडर युवाओं के अधिकारों पर बड़े हमले का हिस्सा है। उन्होंने यह भी कहा कि ये नियम ट्रांस लड़कियों के लिए भी अपमानजनक हो सकते हैं, क्योंकि उन्हें अपने लिंग का प्रमाण देने के लिए मजबूर किया जा सकता है।

अमेरिकी कोर्ट ने डोहाल को समन दिए जाने के पन्नु के दावे को खारिज किया

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की एक अदालत ने कहा कि फरवरी में वाशिंगटन की यात्रा के दौरान राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोहाल को कोई शिकायत नहीं दी गई थी। अदालत ने खालिस्तानी अलगाववादी गुरुपतवत सिंह पन्नु के इस दावे को खारिज कर दिया कि शीर्ष भारतीय अधिकारी को समन सहित अदालती दस्तावेज सौंपे गए हैं। अमेरिकी जिला न्यायाधीश कैथरीन पोल्क फेला ने हालिया आदेश में कहा, न्यायालय ने उपरोक्त पत्र और संलग्न साक्ष्यों की समीक्षा की है और पाया कि दस्तावेज नहीं सौंपे गए थे। शिकायत होटल प्रबंधन या स्टाफ के किसी सदस्य या प्रतिवादी को सुरक्षा प्रदान करने वाले किसी अधिकारी या एजेंट को नहीं दी गई, जैसा कि न्यायालय के आदेश में अपेक्षित है। पन्नु ने डोहाल और एक अन्य भारतीय नागरिक निरखिल गुप्ता के खिलाफ दीवानी मुकदमा दायर किया है। संघीय अभियोजकों ने गुप्ता पर अमेरिकी धरती पर पन्नु की हत्या की नाकाम साजिश में एक भारतीय सरकारी कर्मचारी के साथ मिलकर काम करने का आरोप लगाया है।

लिथुआनिया : चौथे अमेरिकी सैनिक का शव भी बरामद हुआ

विलनियस, एजेंसी। लिथुआनिया में एक प्रशिक्षण अभ्यास के दौरान लापता हुए चौथे अमेरिकी सैनिक का शव मिल गया है, जिससे एक हफ्ते से चल रहा तलाशी अभियान समाप्त हो गया। अमेरिकी सेना ने मंगलवार को बताया कि उनके सैन्य वाहन को दलदली क्षेत्र से बाहर निकाला गया, जहां तीन अन्य सैनिकों के शव सोमवार को बरामद किए गए थे। ये सैनिक फर्सेड आर्मड ब्रिगेड के हिस्सा थे और एक प्रशिक्षण अभ्यास के दौरान लापता हो गए थे।

अमेरिका : ज्वाइंट चीफ ऑफ स्टाफ के लिए ट्रंप ने सेवानिवृत्त लेफ्टिनेंट जनरल डैन केन को चुना

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिकी वायु सेना के सेवानिवृत्त लेफ्टिनेंट जनरल डैन केन को ज्वाइंट चीफ ऑफ स्टाफ के लिए नामित किया है। मंगलवार को सीनेट में उनसे कई सवाल पूछे गए। इस दौरान उन्होंने कहा कि वह किसी भी राजनीतिक दबाव में नहीं आएंगे और जो सही होगा, वही करेंगे। उनसे पूछा गया कि अगर सेना को अवैध या गलत आदेश दिया गया, तो वे क्या करेंगे? इस पर उन्होंने कहा कि वह गलत बात का विरोध करेंगे और कानून के सिक्के से ही काम करेंगे। ट्रंप ने पहले जनरल लीव्यु ब्राउन को इस पद से हटा दिया था, क्योंकि उन पर आरोप था कि वे जाति और समाज के अन्य मुद्दों पर ज्यादा ध्यान दे रहे थे। इस कारण, कई लोगों को चिंता हुई कि ट्रंप सेना को अपने फायदे के लिए इस्तेमाल कर रहे हैं। अब संसद की समिति यह तय करेगी कि केन को ज्वाइंट चीफ ऑफ स्टाफ बनाया जाए या नहीं।

ताइवान के पास चीन का सैन्य अभ्यास, अमेरिका ने दी चेतावनी

बीजिंग, एजेंसी। अमेरिका ने ताइवान के पास चीन के सैन्य अभ्यास पर कड़ी प्रतिक्रिया दी। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने मंगलवार को एक प्रस वार्ता में कहा कि अमेरिका ताइवान जलडमरूमध्य में शांति बनाए रखने के पक्ष में है और किसी भी तरह की जबरदस्ती या बलपूर्ण कथारिथितिकी को बदलने के प्रयास का विरोध करता है। चीन की सेना ने मंगलवार को ताइवान के आसपास अपनी थल, नौसेना, वायु और मिसाइल बलों के साथ संयुक्त सैन्य अभ्यास शुरू किया। चीन ने इसे ताइवान को कड़ी चेतावनी बताते हुए कहा कि यह सैन्य अभ्यास ताइवान की स्वतंत्रता का समर्थन करने वाले अलगाववादी गुटों के लिए एक सख्त संदेश है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस मुद्दे पर राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद से ब्रीफिंग ली। प्रेस सचिव लेविट ने कहा कि राष्ट्रपति ने ताइवान जलडमरूमध्य में शांति बनाए रखने पर जोर दिया है और कहा है कि सभी मुद्दों का शांतिपूर्ण समाधान होना चाहिए। वहीं, ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने चीन के सैन्य अभ्यास को अनापयक उकसावा और क्षेत्रीय शांति के लिए खतरा बताया। उन्होंने कहा, हम चीन की इन उकसावे वाली गतिविधियों की कड़ी निंदा करते हैं और अपनी संप्रभुता की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध हैं।

ट्रंप की नीतियों के विरोध में सांसद ने रिकॉर्ड तोड़ 24 घंटे 20 मिनट तक लगातार दिया भाषण

वाशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिकी सांसद कोरी बुकर ने मंगलवार को सीनेट के इतिहास में सबसे लंबा भाषण देकर एक नया रिकॉर्ड स्थापित किया। न्यू जर्सी से डेमोक्रेटिक सीनेटर ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नीतियों के खिलाफ विरोध जताते हुए 24 घंटे और 20 मिनट तक लगातार बोलकर 1957 में सीनेटर स्ट्रॉम थरमंड द्वारा स्थापित पिछले रिकॉर्ड को तोड़ दिया। थरमंड ने उस समय सिविल राइट्स एक्ट के खिलाफ 24 घंटे 18 मिनट तक भाषण दिया था। बुकर ने सोमवार शाम 7 बजे (स्थानीय समय) सीनेट के मंच पर अपनी बात शुरू की और मंगलवार रात 8:05 बजे तक लगातार बोलते रहे। उन्होंने कहा कि उनका उद्देश्य संयुक्त राज्य सीनेट के सामान्य कामकाज को तब तक बाधित करना है, जब तक मैं शारीरिक रूप से सक्षम नहीं हूँ। अपने भाषण की शुरुआत में उन्होंने जोर देकर कहा, मैं आज रात इसलिए खड़ा हूँ क्योंकि मुझे पूरा विश्वास है कि हमारा देश संकट में है।



खिलाफ एक व्यापक विरोध था। बुकर ने अपने भाषण में ट्रंप प्रशासन पर अमेरिकियों की सुरक्षा, वित्तीय स्थिरता और लोकतंत्र की मूलभूत नींव को नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, पिछले 71 दिनों में, संयुक्त राज्य के राष्ट्रपति ने अमेरिकियों पर इतना नुकसान पहुंचाया है कि वे सामान्य समय नहीं हैं, और इन्हें सीनेट में सामान्य रूप से नहीं लिया जाना चाहिए। बुकर ने अपने भाषण में कई मुद्दों को उठाया, जिसमें मेडिकेड और सोशल सिक्नोरिटी में कटौती की आशंका, शिक्षा विभाग पर हमला, और ट्रंप की विदेश नीति शामिल थी। उन्होंने अपने मतदाताओं के

पत्र पढ़े, जिनमें लोगों ने ट्रंप की नीतियों से होने वाली परेशानियों का जिक्र किया था। इसके अलावा, उन्होंने सिविल राइट्स आंदोलन के प्रतीक जॉन लुईस का बार-बार उल्लेख किया और उनके अच्छे संकट के विचार को अपनाने की बात कही।

डेमोक्रेट्स का समर्थन और ऐतिहासिक संदर्भ : इस मैराथन भाषण के दौरान, कई डेमोक्रेटिक सीनेटरों ने बुकर का समर्थन किया। सीनेट अल्पसंख्यक नेता चक शुमर सहित कई सीनेटर समय-समय पर उनके साथ मंच पर आए और सवाल पूछकर उन्हें बोलने से छोटे-छोटे ब्रेक दिए। शुमर ने रिकॉर्ड टूटने के बाद कहा, क्या आपको पता है कि आपने अभी रिकॉर्ड तोड़ा है? क्या आपको पता है कि यह समूह आप पर कितना गर्व करता है? क्या आपको पता है कि अमेरिका आप पर कितना गर्व करता है? बुकर ने अपने भाषण में स्ट्रॉम थरमंड के रिकॉर्ड का जिक्र करते हुए कहा, मैं यहां उनके भाषण की वजह से नहीं, बल्कि उनके भाषण के बावजूद हूँ। मैं यहां इसलिए हूँ क्योंकि वे जितने शक्तिशाली थे, लोग उनसे ज्यादा शक्तिशाली थे। यह बयान सिविल राइट्स के संघर्ष और प्रगति की उनका व्याख्या को दर्शाता है।

शारीरिक सहनशक्ति और नियमों

ट्रम्प प्रशासन में मेट व्हिटेकर नाटो के लिए अमेरिकी राजदूत बने, सीनेट ने नियुक्ति को मंजूरी दी



वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी सीनेट ने मंगलवार देर रात मेट व्हिटेकर को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के नाटो में अमेरिकी राजदूत के रूप में पुष्टि कर दी। व्हिटेकर ट्रम्प के पहले कार्यकाल में न्याय विभाग में सेवा दे चुके हैं। उनके पास विदेश नीति या राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े अनुभव नहीं हैं। सीनेट में उन्हें 52-45 के वोट से मंजूरी मिली। ट्रम्प के पहले कार्यकाल में व्हिटेकर, अर्दोनी जनरल जेफ सेंशंस के चीफ ऑफ स्टाफ थे। 2016 के चुनाव रूसी दखल की जांच से सेंशंस ने खुद को अलग कर लिया था। इसके बाद व्हिटेकर को कार्यवाहक अर्दोनी बनाया गया था। ट्रम्प की वापसी के बाद उन्हें न्याय विभाग में बड़ी जिम्मेदारी देने पर विचार हुआ था। हालांकि अब उन्हें नाटो में राजदूत बनाया गया है।

मस्क ने दो मतदाताओं को दिए एक मिलियन डॉलर के चेक

विस्कॉन्सिन, एजेंसी। अमेरिका के विस्कॉन्सिन में होने वाले सुप्रीम कोर्ट चुनाव में टेक दिग्गज एलन मस्क खूब दखल दे रहे हैं। अपने खेमे न्यायाधीशों को जिताने के लिए मस्क पर आरोप लगे हैं। डेमोक्रेट नेता ने आरोप लगाया कि मस्क ने चुनाव से पहले दो मतदाताओं को एक मिलियन डॉलर के चेक सौंपे। साथ ही उनको अपने राजनीतिक समूह के प्रवक्ता घोषित किया। इसे लेकर दायर याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दिया। हालांकि अरबपति ने इसे राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के एजेंडे और सभ्यता के भविष्य के लिए महत्वपूर्ण बताया। मस्क ने न्यायिक दौड़ को देश के लिए महत्वपूर्ण बताया। मस्क ने कहा कि सदन में बहुमत अब बहुत कम रह गया है। एक अदालत ने राज्य के डेमोक्रेटिक अर्दोनी जनरल द्वारा मस्क को दो मतदाताओं को चेक सौंपने से रोकने के आखिरी मिनिट के प्रयास को सुनने से इनकार कर दिया। दो निव्वली अदालतों ने डेमोक्रेट जोश कोल की कानूनी चुनौती को पहले ही खारिज कर दिया था।

अमेरिका: अर्दोनी जनरल ने ब्रायन थॉम्पसन के हत्यारोपी के लिए मांगा मृत्युदंड

न्यूयार्क, एजेंसी। यूनाइटेड हेल्थकेयर के सीईओ ब्रायन थॉम्पसन की हत्या के आरोपी लुइगी मैनजियोन के लिए मौत की सजा की मांग की गई। अमेरिकी की अर्दोनी जनरल पैम बॉन्डी ने कहा कि यह एक पूर्व-नियोजित और निर्मम हत्या थी, जिसने पूरे देश को झकझोर दिया। ब्रायन थॉम्पसन की 4 दिसंबर 2024 को मैनहट्टन के हिल्टन मिडटाउन होटल के बाहर की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। उस समय वे यूनाइटेड हेल्थकेयर निवेशकों के सम्मेलन में जा रहे थे। जांचकर्तों ने इस हत्या को राजनीतिक हिंसा करार दिया। हत्या के बाद 5 दिनों तक पुलिस ने मैनजियोन की तलाश की। तलाशी न्यूरार्क के एक हॉस्टल से लेकर पेंसिल्वेनिया के मैकडॉनल्ड्स तक पहुंची, जहां से मैनजियोन को गिरफ्तार किया गया। पुलिस के अनुसार, उसके बैग में हत्या में इस्तेमाल की गई बंदूक और बीमा उद्योग के खिलाफ लिखे गए नोट मिले। अर्दोनी जनरल बॉन्डी ने कहा, लुइगी मैनजियोन ने एक निर्दोष व्यक्ति और दो छोटे बच्चों के पिता ब्रायन थॉम्पसन की निर्मम हत्या की। यह अमेरिका के लिए एक बड़ा झटका था। इसलिए, हमने इस मामले में मौत की सजा की मांग की है।

आईएईए हमारे परमाणु स्थलों पर मंडरा रहे खतरों पर रुख करे स्पष्ट : ईरानी विदेश मंत्री

तेहरान, एजेंसी। ईरान के विदेश मंत्री सईद अब्बास अराघची ने संयुक्त राष्ट्र की परमाणु निगरानी संस्था आईएईए (अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी) से अपने देश की शांतिपूर्ण परमाणु फेसिलिटी पर मंडरा रहे खतरों को लेकर रुख स्पष्ट करने को कहा। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, ईरान के विदेश मंत्री सईद अब्बास अराघची ने यह बयान मंगलवार को अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) के महानिदेशक राफेल ग्रांसी से फोन पर बातचीत के दौरान दिया। उन्होंने यह टिप्पणी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा रविवार को दी गई उस धमकी के संदर्भ में की, जिसमें ट्रंप ने कहा था कि अगर ईरान अपने परमाणु कार्यक्रम पर वाशिंगटन के साथ समझौता नहीं करता, तो वह

ईरान के परमाणु स्थलों पर बमबारी कर देंगे। अराघची ने एजेंसी के साथ ईरान की बातचीत और सहयोग की नीति के बारे में बताया और कहा कि जब तक ईरान के खिलाफ खतरा बने रहते हैं, उनका देश अपने परमाणु कार्यक्रम की सुरक्षा के लिए जरूरी कदम उठाएगा। उन्होंने ग्रांसी को ईरान के शांतिपूर्ण परमाणु कार्यक्रम और कूटनीतिक चर्चा से जुड़ी ताजा घटनाओं के बारे में भी जानकारी दी। आईएईए प्रमुख ने कहा कि वह मौजूदा समस्याओं को हल करने के लिए एक अच्छे माहौल को बनाने के लिए दूसरे पक्षों से चर्चा करेंगे। ग्रांसी ने ईरान यात्रा करने की इच्छा जताई, जिस पर ईरानी विदेश मंत्री ने सहमत जताई। ट्रंप ने रविवार को एनबीसी न्यूज को दिए इंटरव्यू में कहा कि अगर ईरान अपने परमाणु



कार्यक्रम पर बातचीत करने से इनकार करता है, तो वह उस पर जबरदस्त सैन्य हमले करेंगे। उन्होंने कहा, अगर वे समझौता नहीं करते, तो एसी बमबारी होगी जिसे उन्होंने कभी नहीं देखा होगा। उन्होंने यह भी दावा किया कि अमेरिकी और ईरानी अधिकारी बातचीत कर रहे हैं,

लेकिन इस बारे में कोई और जानकारी नहीं दी। यह टिप्पणी उस पत्र के बाद आई है, जिसके बारे में ट्रंप ने कहा था कि उन्होंने मार्च के शुरू में संयुक्त अरब अमीरात के जरिए ईरानी नेताओं को एक पत्र भेजा था, जिसमें तेहरान की परमाणु गतिविधियों पर सीधे बातचीत का प्रस्ताव दिया गया था। इसके जवाब में तेहरान ने सीधे बातचीत के प्रस्ताव को ठुकरा दिया, लेकिन अप्रत्यक्ष बातचीत की संभावना को खुला रखा।

अकेले रह रहे प्रवासी बच्चों को कानूनी सहायता देने का आदेश : कैलिफोर्निया, एजेंसी।

अमेरिका की अदालत ने ट्रंप प्रशासन का एक और फैसला पलट दिया है। कैलिफोर्निया के एक संघीय न्यायाधीश ने मंगलवार को एक सरकार हजारों प्रवासियों बच्चों को अस्थायी रूप से कानूनी सहायता बहाल कर, जो बिना अभिभावकों या मां-बाप के अमेरिका में रह रहे हैं। गौरतलब है कि ट्रंप प्रशासन ने 21 मार्च को अपने एक आदेश से इस सहायता को बंद कर दिया था। सैन फ्रांसिस्को के अमेरिकी जिला न्यायाधीश अरसेली मार्टिनेज-ओल्गुन ने मंगलवार देर रात एक अस्थायी निरोधक आदेश दिया। उन्होंने लिखा कि अधिवक्ताओं ने इस बारे में वैध सवाल उठाए हैं कि क्या प्रशासन ने 2008 के कानून का उल्लंघन किया है, जिसके कारण मामलों की अदालत ने यथास्थिति पर वापस लौटना जरूरी है। यह आदेश बुधवार से प्रभावी होगा और 16 अप्रैल तक चलेगा।

यमन में अमेरिका के ताबड़तोड़ हमले, हूती विद्रोहियों का दावा- होदेदा के पास 4 लोग मारे गए

दुबई, एजेंसी। यमन के विद्रोही-नियंत्रित क्षेत्रों में बुधवार को अमेरिका ने कथित तौर पर ताबड़तोड़ हवाई हमले किए। हूती विद्रोहियों ने दावा किया कि लाल सागर के बंदरगाह शहर होदेदा के पास एक हमले में कम से कम चार लोगों की मौत हो गई। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के कार्यकाल में हूती विद्रोहियों के ठिकानों पर लगातार हवाई हमले किए जा रहे हैं। यह स्थिति इराक-इराक युद्ध से उत्पन्न हुई है, जिसके चलते हूतियों को निशाना बनाया जा रहा है। हूतियों ने दावा किया है कि पिछले कुछ समय में कम से कम 65 लोग मारे गए हैं। ईरान पर दबाव बनाने का प्रयास रिपोर्ट्स के अनुसार, अमेरिकी अभियान के रुकने के कोई संकेत नहीं हैं, क्योंकि ट्रंप प्रशासन ईरान के बढ़ते परमाणु कार्यक्रम को लेकर दबाव बनाने का प्रयास कर रहा है। इसलिए ईरान समर्थित हूतियों पर लगातार हवाई हमले जारी हैं। नौबहन की स्वतंत्रता बहाल होने तक जारी रहेंगे हमले: कैमला होदेदा गवर्नर के मंसूरिया जिले में लेविट ने कहा कि अब तक 200 से अधिक हवाई हमले किए गए हैं। उन्होंने कहा कि हमलों के परिणामस्वरूप ईरान कमजोर हुआ



है। लेविट ने कहा कि उन्होंने नौसेना के जहाजों और वाणिज्यिक जहाजों पर हमले करने वाले हूती सदस्यों को मार गिराया है। लेविट ने संकेत दिया कि ये हमले तब तक नहीं रुकेंगे, जब तक कि लाल सागर क्षेत्र में नौबहन की स्वतंत्रता बहाल नहीं हो जाती है। मंसूरिया जिले में जल परियोजना को बनाया गया निशाना इसके अलावा, हूती विद्रोहियों ने कहा कि अमेरिकी विमानवाहक पोत-यूसएस हेरी एस टूमैन पर हमले जारी रखें हैं, जो हूतियों पर अधिकांश हमले कर रहा है। वहीं, विमानवाहक पोत यूएसएस कार्ल विंसन टूमैन का समर्थन करने के लिए एशिया से मध्यपूर्व की ओर रवाना हो गया है। पेंटागन के प्रवक्ता सीन पॉर्नेल ने बुधवार सुबह कहा कि क्षेत्र में अतिरिक्त स्काइन और अन्य हवाई संपत्तियां तैनात की जाएंगी। हालांकि उन्होंने विस्तार से कोई जानकारी नहीं दी।

ईरान के दरवाजे पर 50,000 अमेरिकी सैनिक, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के एक इशारे पर कर देंगे मटियामेट

वाशिंगटन, एजेंसी। यमन में हूती विद्रोहियों पर अमेरिकी हवाई हमलों से अमेरिका और ईरान के बीच तनाव और बढ़ गया है। करीब 50 हजार अमेरिकी सैनिक ईरान को चारों तरफ से घेर रहे हैं, जो डोनाल्ड ट्रंप का इशारा मिलते ही इस्लामिक देश ईरान की ईंट से ईंट बजाने के लिए तैयार हैं। इसका खुलासा खुद ईरान ने किया है। इस्लामिक रिपब्लिकन गार्ड्स कोर (आईआरजीसी) के एक उच्चस्तरीय कमांडर ने सोमवार, 31 मार्च को चेतावनी दी कि ईरानी क्षेत्र में अमेरिकी सेना एक शीशे के घर में बैठी है और उन्हें दूसरों पर पत्थर नहीं फेंकना चाहिए। यानी ईरान के इलाके में अमेरिकी सेनाएं खुला निशाना हैं और उन्हें इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि वे अपने निशाने पर हों। आईआरजीसी एयरोस्पेस डिवीजन कमांडर ब्रिगेडियर जनरल आमिर अली हाजीजादेह ने ईट-उल-फितर समारोह के दौरान

अमेरिका को सीधे तौर पर खुली चेतावनी दी। ईरान ने कहा कि अगर अमेरिका ने उसकी धरती पर हमला किया तो वह मुंहतोड़ जवाब देगा। आपको याद दिला दें कि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने मंगलवार को इशारा मिलते ही इस्लामिक देश ईरान की ईंट से ईंट बजाने के लिए तैयार हैं। इसका सीधा मतलब है कि वे शीशे के घर में बैठे हैं, और जब कोई शीशे के घर में बैठता होता है, तो वह दूसरों पर पत्थर नहीं फेंकता। आईआरजीसी कमांडर का यह बयान अमेरिकी राष्ट्रपति



डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ईरान को दी गई धमकी के बाद आया है। ट्रम्प ने कहा था कि यदि ईरान अपने परमाणु कार्यक्रम पर नया समझौता करने से इनकार करता है, तो उसे बमबारी का सामना करना पड़ेगा। ट्रम्प ने रविवार को एनबीसी न्यूज को दिए एक साक्षात्कार में कहा। यदि वे समझौता



नहीं करेंगे तो बमबारी होगी। उन्होंने ईरान पर द्वितीयक शुल्क लगाने की भी धमकी दी। अब इस मामले पर ईरान के सर्वोच्च नेता अली खामेनेई कहा पीछे रहने वाले थे, उन्होंने ट्रंप की धमकी का उसी के लहजे में जवाब दिया। परमाणु समझौते पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा

दिए गए अट्टीटैमेट पर ईरान की राजधानी तेहरान में लोगों को संबोधित करते हुए खामेनेई ने कहा, पूरी दुनिया में लोग पहले से ही इजरायल और अमेरिका की नीतियों से नाराज हैं। लोग जो कुछ भी जानते हैं वह केवल सतही हिस्सा है। अगर लोगों को इन देशों की असली साजिशों का पता चल जाएगा तो वे और भी ज्यादा क्रोधित हो जाएंगे। इसके अलावा अमेरिका को जवाब देते हुए खामेनेई ने कहा, अमेरिका और इजरायल हमेशा से ईरान के खिलाफ दुश्मनी रखते आए हैं। वे हमें धमकाने की कोशिश करते हैं, लेकिन हमें नहीं लगता कि वे हमला करेंगे। हालांकि, अगर वे हमला भी करेंगे तो हम उन्हें कड़ा जवाब देंगे। अब यह देखने वाली बात यह होगी कि क्या ट्रंप इस बयान का जवाब सैन्य हमलों से देगे या फिर अमेरिकी राष्ट्रपति की कोई रणनीति सामने आएगी, यह तो आने वाला समय ही बताएगा।

सूरत के MLA कानाणी के भतीजे पर गंभीर आरोप, बिना सबूत पैसे की वसूली, धमकी

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत की वराछा विधानसभा सीट से दबंग छवि रखने वाले विधायक कुमार कानाणी एक बार फिर चर्चा में हैं। इस बार उनके भतीजे निकुल कानाणी के खिलाफ पुलिस शिकायत दर्ज कराने का प्रयास मितुलभाई इश्वरभाई बुधेलिया ने किया है। मितुलभाई ने आरोप लगाया है कि निकुल कानाणी ब्याज पर धन उधार देने का कारोबार

करते हैं। लगभग सात साल पहले, उन्होंने मितुलभाई के रिश्तेदार को तीन लाख रुपये ब्याज पर दिए थे। निकुल कानाणी बिना किसी लिखित प्रमाण के किसी अन्य व्यक्ति के जरिए रकम की वसूली करवा रहे हैं और मितुलभाई को परेशान कर रहे हैं। मितुलभाई का दावा है कि जब वे वराछा पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराने पहुंचे, तो पुलिस ने मामला दर्ज करने से इनकार कर दिया। उन्होंने आरोप लगाया है कि विधायक कुमार कानाणी अपने भतीजे को

बचाने के लिए पुलिस पर दबाव बना रहे हैं। मितुलभाई का कहना है कि निकुल कानाणी द्वारा उन्हें झूठी झड़ूदरज कराने की धमकी दी गई है। साथ ही, यह भी चेतावनी दी गई है कि अगर तीन शिकायतें दर्ज होती हैं, तो गुजरात गुंडा एक्ट (गुजसीटोक) की धारा लागू कर दी जाएगी। पुलिस में शिकायत दर्ज न होने के कारण, मितुलभाई ने सूरत पुलिस कमिश्नर कार्यालय में आवेदन दिया है। फिलहाल, इस मामले में किसी आधिकारिक कार्रवाई की जानकारी नहीं मिली है।

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

मुंबई, 31 मार्च, 2025 - मैक्स फ्रैशन ने लैकमे फ्रैशन वीक & FDCI के 25वें एडिशन में एक साहसिक और परिवर्तनकारी शुरुआत की, जिसमें उनकी प्रेरणा कल्कि केकलॉ थीं। इस क्षण ने भारतीय फ्रैशन में एक महत्वपूर्ण बदलाव को चिह्नित किया, मैक्स फ्रैशन ने देश के सबसे प्रतिष्ठित रनवे में से एक पर हाई-स्ट्रीट स्टाइल को फिर से परिभाषित किया। यह महज एक रनवे क्षण नहीं था, बल्कि यह एक सांस्कृतिक मूल्यांकन था - एक बयान कि वैश्विक फ्रैशन हर किसी के लिए है, जिसमें ऐसी शैली अपनाई जाती है जो सुलभ हो, ट्रेंड के साथ चलने वाली हो, जिसे आसानी से पहना जा सके। अपने सिसिलियन समर और अमाल्फो एस्केप कलेक्शन के लॉन्च के साथ, मैक्स फ्रैशन ने न केवल हाई-स्ट्रीट फ्रैशन को पुनर्परिभाषित किया बल्कि इसने एक मंच तैयार करके दिया जिससे लाखों लोगों की आकांक्षा सुलभ हो गई। जिस क्षण पहली मॉडल रनवे पर उतरी, यह स्पष्ट हो गया कि यह महज एक और कलेक्शन लॉन्च नहीं था - यह एक आंदोलन था। जैसे ही सिसिलियन समर ने मंच पर कदम रखा, दर्शकों की साँसे थम गई, उनमें आश्चर्य की लहर दौड़ गई। आत्मविश्वास, विद्रोह और सहज शैली से भरपूर एक

कल्कि केकलॉ रनवे पर छ गई



स्टेटमेंट लुक में लिपटी कल्कि ने सिर्फ रनवे पर वॉक ही नहीं किया बल्कि यह जताया भी दिया कि यह रनवे सिर्फ उसी के लिए बना है। वहाँ कोई नाटकीयता नहीं थी, कोई थोपी हुई भव्यता नहीं थी - बिल्कुल नई उपस्थिति थी। यह पल फ्रैशन से परे था - यह बदलाव के बारे में था। हर कदम पर आपके एक नए पक्ष का पता चलता है, जो दुनिया को आपके नए आपसे मिलने के लिए आमंत्रित करता है। जैसे ही वायरल ट्रेक #IYKY-DK की धुन बजने लगी, रैपर इरफाना और एमसी पांडा ने अपने हाई-एनर्जी परफॉर्मंस से रनवे पर धूम मचा दी, जिससे लोगों में कलेक्शन की भावना बढ़ गई। जैसे ही सिसिलियन समर ने मंच पर कदम रखा, कमरे में तेजी से एक जोश का संचार हुआ, जिसने दर्शकों को गहरे रंगों, क्लासिक प्रिंटों और हवादार सिल्हूटों के सपने में डुबो दिया। इस संग्रह

ने शहरी और समुद्री परिवेश के बीच की रेखाओं को धुंधला कर दिया, जिसमें हवादार पोशाकें, सहजता से लहरते ऑफ-शोल्डर टॉप और स्टाइल वाले को-ऑर्ड सेट ने गरमियों के मजे को फिर से परिभाषित किया। फिर, माहौल बदल गया - भीड़ में सन्नाटा छा गया, हवा में उत्सुकता थी। जैसे ही अमाल्फो एस्केप सामने आया, रनवे भूमध्य सागर जैसा लगने लगा, जिसमें आरामदायक सुंदरता और आधुनिक यात्रा की भावना शामिल थी। धूप से सराबोर न्यूट्रल, मुलायम लिनेन और गर्म टैराकोटा रंगों ने रनवे को शांत रंग दिया। यह अपने बेहतरीन रूप में रिजॉर्त पहनावा था - फुल्ल रफ़ल पोशाकें, सिलवाया हुआ को-ऑर्ड्स, और आधुनिक भ्रमणकारियों के लिए डिज़ाइन किए गए लिनेन-इन्फ्यूज्ड मेन्सवियर। दर्शकमंडली में मौजूद संपादक,

प्रभावशाली लोग, उद्योगपति - अपनी सीटों से आगे आ गए। फोन के कैमरे चमक उठे, फुसफुसाहट तालियों में बदल गई और तालियाँ हंगामे में बदल गईं। यह एक शुरुआत से कहीं अधिक था। मैक्स की उपाध्यक्ष और मार्केटिंग प्रमुख पल्लवी पांडे कहती हैं, मैक्स फ्रैशन को लैकमे फ्रैशन वीक में शुरुआत सिर्फ एक मील का पथर नहीं है; यह एक ब्रांड के तौर पर हमारी पहचान की एक सशक्त पुष्टि है। हमारा हमेशा से मानना रहा है कि फ्रैशन सभी के लिए सुलभ होना चाहिए। कल्कि केकलॉ को अपनी प्रेरणा मानते हुए, हम स्टाइल को आत्म-अभिव्यक्ति के एक ऐसे रूप के रूप में मना रहे हैं जो सभी का है। यह शुरुआत लाखों लोगों के लिए ट्रेंड-ड्रिवन फ्रैशन उपलब्ध कराने के बारे में है, चाहे वे स्टोर में खरीदारी करें या ऑनलाइन। यह स्टाइल, आत्मविश्वास और व्यक्तित्व का जश्न है।

मैक्स फ्रैशन के डिटी सीईओ सुमित चौदानी ने कहा, यह शुरुआत हमारे विकास में अगला बड़ा कदम है। मैक्स फ्रैशन हमेशा से सभी के लिए बेहतरीन फ्रैशन उपलब्ध कराने के बारे में रहा है - चाहे वह हमारे 520 से अधिक स्टोर के माध्यम से हो या हमारी बढ़ती ऑनलाइन उपस्थिति के माध्यम से। लैकमे फ्रैशन वीक फ्रैशन को केवल आकांक्षा के बारे में नहीं, बल्कि सब तक इसकी पहुँच और समावेशिता बनाने के हमारे दृष्टिकोण का एक स्वाभाविक विस्तार है। यह एक शो से कहीं अधिक है; यह भारत में फ्रैशन के लिए एक नए युग की शुरुआत है। 210 शहरों में 520 से ज्यादा स्टोर और मजबूत ऑनलाइन मौजूदगी के साथ, मैक्स फ्रैशन सिर्फ कपड़े नहीं बेच रहा है - यह भारतीय फ्रैशन के नियमों को फिर से लिख रहा है। यह एक ऐसा महत्वपूर्ण क्षण था, जो पहली बार रनवे पर दिखने को उद्योग जगत में एक बड़ा बदलाव बना देता है। जैसे-जैसे यह ब्रांड भारत के सबसे प्रतिष्ठित फ्रैशन प्लेटफॉर्म पर अपनी जगह बना रहा है, यह एक बड़ी चीज का संकेत दे रहा है - एक बदलाव की शुरुआत, जहाँ हाई-फ्रैशन एनर्जी हाई-स्ट्रीट एक्सपेरिमेंटलिटी से मिलती है, और जहाँ स्टाइल अब विशेषाधिकार नहीं रह गया है - यह एक अधिकार है। फ्रैशन जगत में क्रांति की शुरुआत हो चुकी है। सिसिलियन समर और अमाल्फो एस्केप का अनुभव अभी लें, स्टोर में और ऑनलाइन www.max-fashion.in पर उपलब्ध है।

करोड़पति परिवार का बेटा बना हाइब्रिड गांजा का पैडलर

फ़ोजन फूड्स का बिजनेसमैन, पिता जमीन दलाल

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में नारकोटिक्स विभाग ने एक करोड़पति परिवार के बेटे को हाइब्रिड गांजा की तस्करी करते हुए गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास तीन मकान हैं और वह खुद फ़ोजन फूड्स का व्यवसाय चलाता है। उसके पिता एक बड़े जमीन दलाल हैं। बावजूद इसके, आरोपी ने पहली बार हाइब्रिड गांजा तस्करी करने की कोशिश की और पुलिस के हथ्थे चढ़ गया। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी को महंगे शौक और लग्जरी लाइफस्टाइल की चाहत थी। इसी कारण उसने नशे के धंधे में कदम रखा। उसने ऑनलाइन माध्यम से हाइब्रिड गांजा मंगाया और इसकी डिलीवरी देने के लिए निकला, लेकिन पुलिस ने उसे पकड़ लिया। फिलहाल, पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि आरोपी को हाइब्रिड गांजा कहाँ से मिला और इसके पीछे कौन सा बड़ा गिरोह काम कर रहा है। आरोपी के कॉल डिटेल्स और बैंक ट्रान्जेक्शन की भी जांच की जा रही है। पुलिस ने आरोपी युवक की स्कूल बैग से 998 ग्राम हाइब्रिड गांजा बरामद किया, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 29.94 लाख रुपये बताई जा रही है। पुलिस के अनुसार, आरोपी का नाम केनिल सुभाष पटेल (25) है, जो सिंगणपुर के निशाल फलिया का



निवासी है और जहांगीरपुरा की कैलासधाम सोसायटी में रहकर फूड्स सुखाकर बेचने का काम करता था। जांच के दौरान पता चला कि यह गांजा कतारगाम लक्ष्मी पार्क निवासी अक्षय उर्फ आज़ाद हितेश सोनी के लिए मुंबई के वासी-नेरल से लाया गया था। पुलिस ने अक्षय और उसके एक साथी को वॉन्टेड घोषित कर दिया है। पृष्ठताल में केनिल ने बताया कि करीब 15 दिन पहले वह वराछा के रिलायंस मॉल में सिगरेट पी रहा था, तभी वहाँ उसकी मुलाकात अक्षय से हुई, जो खुद भी सिगरेट पी रहा था। बातचीत के दौरान अक्षय ने उसे मुंबई से हाइब्रिड गांजा लाने का ऑफर दिया। फिर 31 मार्च को अक्षय ने उसे पैसे देकर मुंबई भेजा, जहाँ वासी-नेरल स्टेशन पर एक अज्ञात व्यक्ति ने प्लास्टिक पैकिंग में गांजा और बैग सौंपा। अक्षय ने मुंबई से गांजा लाने के बदले 10,000 रुपये प्रति खेप देने का लालच दिया, जिससे केनिल इस धंधे में उतर गया। 31 मार्च को वह मुंबई के वासी-नेरल स्टेशन पहुंचा, जहाँ उसने अक्षय के बताए व्यक्ति

अपने निज मंदिर में विराजी माँ जीण प्राण प्रतिष्ठा में उमड़ा जनसैलाब

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, न्यूसिटी लाइट स्थित देवसर माता प्रांगण में गुरुवार को माँ जीण की प्राण प्रतिष्ठा हुई। इस अवसर पर भक्तों का जनसैलाब उमड़ा। श्री जीण माता सेवा ट्रस्ट के



कमल टाटनवाला ने बताया की सवा बारह बजे माँ जीण की प्राण प्रतिष्ठा की गई। उसके पश्चात भव्य श्रृंगार किया गया एवं महाआरती की गई। इसके बाद में 108 कन्याओं का पूजन करके उनको भोग परोसा गया एवं उपहार दिए गए। आयोजन में सभी भक्तों के लिए महाप्रसाद की व्यवस्था भी की गई थी। इस मौके पर ट्रस्ट के नटवरलाल टाटनवाला, अमित दोदराजका, लोकेन्द्र दोदराजका, अशोक चौकड़िका सहित अनेकों ट्रस्टी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

नेचुरोपैथी सेमिनार का हुआ आयोजन

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, अग्रवाल विकास ट्रस्ट महिला शाखा द्वारा गुरुवार को नेचुरोपैथी सेमिनार का आयोजन सिटी लाइट स्थित अग्रसेन प्लेस के श्याम कुंज हॉल में दोपहर दो बजे से किया गया। सेमिनार में डॉक्टर गायत्री अग्रवाल ने बताया कि आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में हमने अपने खान पान आदि की ओर ध्यान देना छोड़ दिया है जिसके कारण हमारे शरीर में बहुत सी समस्याएँ पैदा हो गई हैं। इन्हीं समस्याओं से निवारण हेतु समझाया कि कैसे हम अपने खानपान का ध्यान रखकर स्वयं के डॉक्टर खुद कैसे बन सकते हैं क्योंकि स्वस्थ रहेगा तन तभी तो स्वस्थ रहेगा मन। इस सेमिनार में महिलाओं ने बहुत ही उत्सुकता से भाग लिया। इस कार्यक्रम में महिला शाखा की अध्यक्ष सोनिया गोयल, सरोज अग्रवाल, रुचिका रंगटा, सीमा कोकड़ा, प्रीति गोयल, शालिनी चौधरी, अनीता केडिया, सुनीता जलान सहित महिला शाखा की अनेकों सदस्य उपस्थित रहीं।

वर्चुअल गैलेक्सी इन्फोटेक को आईपीओ के लिए एनएसई इमर्ज से सैद्धांतिक मंजूरी मिली,

वैश्विक परिचालन का विस्तार करने की तैयारी

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, बीएफएसआई सेक्टर को सेवाएँ देने वाली अग्रणी हाइब्रिड एएसएएस और एंटरप्राइज़ सॉफ्टवेयर कंपनी वर्चुअल गैलेक्सी इन्फोटेक लिमिटेड ने आज घोषणा की कि उसे एनएसई इमर्ज से अपने आईपीओ के लिए सैद्धांतिक मंजूरी मिल गई है। कंपनी ने अक्टूबर 2024 में एनएसई इमर्ज के पास ड्राफ्ट रैड हैरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) दाखिल किया था। अब कंपनी अपडेट की गई जानकारी के साथ आरएचपी दाखिल करने की प्रक्रिया में है और उम्मीद है कि बहुत जल्द ही इसे प्लैटफॉर्म पर सूचीबद्ध किया जाएगा। नागपुर मुख्यालय वाली यह कंपनी अफ्रीका को प्राथमिकता वाले बाजार के रूप में देखते हुए अपने वैश्विक परिचालन का विस्तार करने के लिए तैयार है। तंजानिया और मलावी में अपनी मौजूदगी के साथ वीजीआईएल अफ्रीकी बाजार में अपने परिचालन को ज्यादा मजबूत करने की योजना बना रही है। कंपनी ने जुलाई 2024 में अपने प्री-आईपीओ फंडिंग राउंड को सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है, जिसमें प्रमुख निवेशकों से 21.44 करोड़ जुटाए गए हैं। इस बीच, इसने 30 सितंबर, 2024 को समाप्त होने वाले चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में 18.91 करोड़ के लाभ (कर पश्चात् लाभ) के साथ परिचालन से

71.61 करोड़ रेवेन्यू के साथ प्रभावशाली वित्तीय परिणाम दर्ज किए हैं, जबकि वित्त वर्ष 24 में 61.46 करोड़ और 16.30 करोड़ का लाभ (कर पश्चात् लाभ) था, जो चालू वित्त वर्ष में मजबूत वृद्धि का संकेत देता है। वर्चुअल गैलेक्सी इन्फोटेक लिमिटेड के आईपीओ में बुक-बिल्डिंग रूट के माध्यम से 10 फेस वैल्यू वाले 66,60,000 इक्विटी शेयर जारी किए जाएंगे। स्मार्ट होराइज़न कैपिटल एंडवाइज़र्स प्राइवेट लिमिटेड इस ऑफर के लिए एकमात्र बुक रनिंग लीड मैनेजर है, और माशिताला सिक्वोरिटीज़ प्राइवेट लिमिटेड रजिस्ट्रार है। यह एक एसएएसए उल्पाद-केंद्रित कंपनी है जो कोर बैंकिंग सॉफ्टवेयर सॉल्यूशन, आईटी सॉल्यूशन, आईआरपी इम्पलीमेंटेशन और कस्टमाइज़्ड सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट, तथा बीएफएसआई, आईआरपी और ई-गवर्नेंस डोमेन के लिए आईटी सेवाएँ प्रदान करती है। कंपनी मुख्य रूप से सॉफ्टवेयर ऐप्लीकेशंस के विकास, कस्टमाइज़ेशन, इंस्टॉलेशन और इम्पलीमेंटेशन के साथ-साथ डिलिवर्ड सॉल्यूशंस के लिए पोस्ट-इम्पलीमेंटेशन सपोर्ट, मॉनिटरिंग व मेट्रिक्स सेवाओं के कार्य में सक्रिय है। वीजीआईएल के ग्राहकों में वाणिज्यिक बैंक, राज्य सहकारी बैंक, शहरी सहकारी बैंक, जिला केंद्रीय सहकारी बैंक, सहकारी समितियाँ, एनबीएफसी और बचत एवं ऋण सहकारी

समितियाँ (एसएसीओ) शामिल हैं। डीआरएचपी के अनुसार, वीजीआईएल आईपीओ से प्राप्त कुल राशि में से 34.27 करोड़ रुपये का उपयोग नागपुर में अतिरिक्त विकास सुविधा स्थापित करने के लिए पूंजीगत व्यय के रूप में, 3.00 करोड़ रुपये कंपनी द्वारा लिए गए कुछ उधारों के पुनर्भुगतान/पूर्व भुगतान के लिए, 5.05 करोड़ रुपये डेटा सेंटर में जीपीयू, सर्वर और स्टोरेज सिस्टम खरीदने के लिए, 18.90 करोड़ रुपये मौजूदा उत्पादों के संवर्द्धन, रखरखाव और उन्नयन से संबंधित व्यय के वित्तपोषण के लिए और 14.06 करोड़ रुपये व्यवसाय विकास और विपणन गतिविधियों के वित्तपोषण के लिए उपयोग करना चाहता है। शेष पूंजी का उपयोग सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए किया जाएगा। वीजीआईएल सॉफ्टवेयर प्रोडक्ट्स का विविधतापूर्ण पोर्टफोलियो प्रस्तुत करती है जिनमें शामिल हैं- ई-बैंकर, यह एक कोर बैंकिंग सिस्टम है जिसे बैंकों, समितियों व गैर-बैंकिंग वित्तीय कम्पनियों के लिए डिजाइन किया गया है; आईबीएस-ईआरपी, यह एक सम्पूर्ण ईआरपी सॉफ्टवेयर है जिसे कोर बिजनेस फंक्शंस को एकीकृत करने के लिए डिजाइन किया गया है जिनमें फाइनेंस, एचआर, मैनुफैक्चरिंग, सर्विसिस, सप्लाय चैन व प्रोक्वोरमेंट एक ही इंटीग्रेटेड सिस्टम में

शामिल हैं; ई-एपीएमसी, यह एक वैब आधारित ऐप्लीकेशन है जिसे ऐग्रीकल्चर प्रोड्यूस मार्केट कमिटियों (एपीएमसी) की विविध जरूरतों को पूरा करने के लिए बनाया गया है; ई-ऑटोस्पाई एक वैब-आधारित एंड-टू-एंड सॉल्यूशन है जिसे खास तौर पर पोस्ट मॉर्टम विभागां के लिए तैयार किया गया है तथा वी-पे, जो सभी किस्म की डिजिटल भुगतान ट्रान्जेक्शन के एक समावेशी प्लैटफॉर्म का काम देता है। 1997 में पहली पीढ़ी के टेक्नोक्रेट अविनाश नारायणराव शेंडे और सचिन पुरुषोत्तम पांडे द्वारा स्थापित, वीजीआईएल एक सहज एकीकृत बैंकिंग और वित्तीय पारिस्थितिकी तंत्र के भीतर सुरक्षित कोर बैंकिंग समाधान प्रदान कर रहा है। 26 वर्षों से अधिक के अनुभव और लगभग 329 कर्मचारियों की एक समर्पित टीम के साथ, कंपनी वाणिज्यिक बैंकों, राज्य सहकारी बैंकों, शहरी सहकारी बैंकों, जिला केंद्रीय सहकारी बैंकों, सहकारी समितियों, एनबीएफसी और बचत और ऋण सहकारी समितियों (एसएसीओएस) को उन्नत सॉफ्टवेयर सेवाएँ प्रदान करती है। वर्तमान में, वीजीआईएल भारत में 15 से अधिक राज्यों में ग्राहकों को सेवा प्रदान करती है और इसने अफ्रीका में तंजानिया और मलावी जैसे अंतर्राष्ट्रीय बाजार में अपनी पहुँच का विस्तार किया है। अधिक जानकारी के लिए, कृपया देखें <https://www.vgipl.com/>

सिगरेट पीने की आदत से मिली टिप पुलिस ने पकड़ा

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

कंपनी के मालिक और कारीगर ने हेवानियत की हदें पार करते हुए गैंगरेप पीड़िता पर पेट्रोल डालकर उसे जिंदा जला दिया



था, जिससे उपचार के दौरान उत्तर प्रदेश में उसकी मौत हो गई थी। यह मामला उत्तर प्रदेश में दर्ज होने के बाद पिछले दो वर्षों से आरोपी की तलाश की जा रही थी। इसी दौरान, उत्तर प्रदेश पुलिस ने सरथाणा पुलिस से मदद मांगी। सरथाणा पुलिस को जानकारी मिली कि आरोपी निश्चित रोजाना पान की दुकान पर सिगरेट पीने आता था। इसके बाद पुलिस ने निगरानी रखी और उसे पकड़ लिया।